दैनिक

साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -93 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, बुधवार, 1 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

20 देशों में मिला कोरोना का नया वैरिएंट 'सिकाडा'

इंसानी कोशिकाओं के लिए घातक; भारत के लिए कितना खतरा?

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | दुनिया के 20 से ज्यादा देशों में कोविड-19 वायरस के नए मामले सामने आए हैं। कोरोना के इस नए सब वैरिएंट को बीए.3.2 कहा जा रहा है। नए वैरिएंट को आमतौर पर 'सिकाडा' के नाम से जा रहा है। यह अमेरिका सहित कई देशों में पाया गया है। हालांकि, भारत में अभी तक वायरस के इस वैरिएंट का कोई मामला सामने नहीं आया है। फिलहाल, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) कोरोना के नए मामलों की निगरानी कर रहा है। लोगों से सावधान रहने, घबराहट से बचने की सलाह दी जा रही।

कोरोना का नया वेरिएंट BA.3.2 क्या है?

BA.3.2 ओमिक्रॉन परिवार का उप सदस्य है। हालांकि, इसमें म्यूटेशन की ज्यादा संख्या ही इसे दूसरों से अलग बनाती है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस नए वेरिएंट में भी 70-75 म्यूटेशन होने का अनुमान है, जिनमें से कई स्पाइक प्रोटीन में हैं; यह वायरस का वह हिस्सा है जो इसे इंसानी कोशिकाओं पर हमला करने में मदद करता है। यह न केवल इसे ज्यादा आसानी से फैलने में मदद कर सकता है, बल्कि इम्यून सिस्टम को भी कुछ हद तक चकमा दे सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का तर्क है कि वायरस में म्यूटेशन होने से यह जरूरी नहीं कि वह ज्यादा जानलेवा भी हो जाए।

यह अब तक कहां-कहां फैल चुका है?

इस नए वेरिएंट की पहचान अमेरिका में हुई है। यह यूरोप और एशिया के कई देशों में भी मौजूद है। 'बिजनेस स्टैंडर्ड' की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में इस नए वेरिएंट के मिलने के बाद ही दुनिया भर में इसकी निगरानी शुरू की गई है। अब तक इस नए वेरिएंट के बड़े पैमाने पर फैलने की कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

वेरिएंट BA.3.2 के लक्षण क्या हैं?

सिकाडा वेरिएंट से होने वाले लक्षण पिछले ओमिक्रॉन वेरिएंट जैसे ही लगते हैं।

इसमें बुखार, थकान, गले में खराश, खांसी और नाक बहना या बंद होना शामिल है।

कुछ मरीजों ने सिरदर्द, बदन दर्द और सांस लेने में हल्की तकलीफ की शिकायत की है।

BA.3.2 वेरिएंट दूसरे वेरिएंट्स के मुकाबले ज्यादा खतरनाक है, ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है।

ज्यादा फैलने वाला या इम्यून सिस्टम को ज्यादा चकमा देने वाला?

'साइंटिफिक अमेरिकन' के अनुसार, शुरुआती डेटा से ऐसे संकेत मिले हैं कि यह वेरिएंट ज्यादा तेजी से फैल सकता है और इसमें इम्यून सिस्टम को चकमा देने की कुछ हद तक क्षमता हो सकती है।

इसका मतलब है कि जिन लोगों को वैक्सीन लग चुकी है या जो पहले संक्रमित हो चुके हैं, उन्हें दोबारा संक्रमण हो सकता है; लेकिन गंभीर बीमारी से बचाव बने रहने की उम्मीद है। दूसरी ओर, इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि डेटा कभी भी स्थिर नहीं रहता, बल्कि लगातार बदलता रहता है।

क्या भारत को चिंतित होने की जरूरत है?

फिलहाल, विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में घबराने की कोई तुरंत वजह नहीं है। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, भारत के सर्विलांस सिस्टम नए वेरिएंट्स पर नजर रख रहे हैं, और अब तक, BA.3.2 से जुड़ी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। उम्मीद है कि वैक्सीन अभी भी गंभीर बीमारी से सुरक्षा देंगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार जीनोम सीक्वेंसिंग, अस्पताल में भर्ती होने के ट्रेंड पर नज़र रखने और ज़रूरत पड़ने पर बूस्टर शॉट लेने की सलाह दे रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

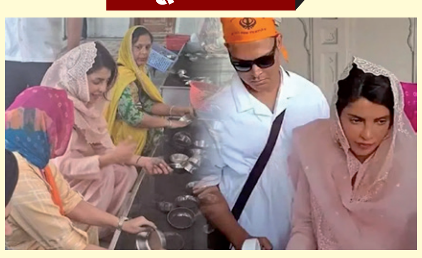

प्रियंका चोपड़ा ने अमृतसर के गोल्डन टेंपल में टेका माथा, लंगर हॉल में धोए जूठे बर्तन;

नई दिल्ली, एजेंसी | प्रियंका चोपड़ा इस वक्त अमृतसर में हैं, जहां से उनका एक वीडियो सामने आया है। वह वहां गोल्डन टेंपल में सेवा करती दिखीं। प्रियंका ने वहां अन्य श्रद्धालुओं के साथ बैठकर बर्तन साफ किए। प्रियंका किसी शूट के सिलसिले में अमृतसर गई थीं या फिर घूमने, यह फिलहाल पता नहीं चल पाया है, पर एक्ट्रेस के इस जेस्चर ने फैंस का दिल जीत लिया है। वीडियो में प्रियंका चोपड़ा क्रीम कलर का सूट पहने हुए हैं। वह सिर ढककर बर्तन साफ कर रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल पहुंचीं तो वहां उन्होंने पहले मत्था टेका, आशीर्वाद लिया और फिर सेवा की। वह एकदम सादे कपड़ों में नजर आईं और उनकी सादगी ने सबका दिल जीत लिया। वह लंगर हॉल में जूठे बर्तन धोती नजर आईं। प्रियंका वहां काफी देर रहीं। संगत के साथ बैठकर अरदास में भी शामिल हुईं। इससे पहले उन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के आगे अपना शीश नवाया।

36 हजार फीट पर धुआं, लखनऊ में एयर इंडिया फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी | सोमवार शाम करीब 4:58 उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जिले में 36 हजार फीट की ऊंचाई पर पायलट को धुआं उठता दिखा। इसके बाद लखनऊ एयरपोर्ट पर शाम 5:37 बजे विमान की लैंडिंग करवाई गई। एयर इंडिया का विमान आईएक्स-1523 बागडोगरा से 148 यात्रियों और क्रू मेंबर को लेकर दिल्ली जा रहा था। जैसे ही विमान लखनऊ के पास पहुंचा तो पायलट को विमान में धुआं उठता हुआ दिखा। धुआं देख पायलट ने तुरंत लखनऊ एटीसी को इसकी जानकारी दी और लैंडिंग की अनुमति मांगी।

140 रुपये के गबन के आरोप, 34 साल तक आगरा के सिपाही ने काटे कोर्ट के चक्कर, अब हुआ बरी

आगरा, एजेंसी | 140 रुपये के गबन के आरोप में जीआरपी के एक सिपाही को अदालत ने 34 साल बाद बरी कर दिया है। अपने दामन पर लगे इस दाग को मिटाने के लिए उसने लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अचल प्रताप सिंह की कोर्ट ने साक्ष्यों के अभाव में सिपाही को बरी करने के आदेश जारी किए हैं। सिपाही पर उसके महकमे के पुलिस उपाधीक्षक ने 3 दिन की एस्कॉर्ट ड्यूटी करने पर 7 दिन का यात्रा भत्ता क्लेम करने का मुकदमा दर्ज कराया था। आगरा कैंट जीआरपी में तैनात सिपाही रामअवतार के खिलाफ जीआरपी के पुलिस उपाधीक्षक व्यास देव श्रोतिया ने 27 मई 1993 में मुकदमा दर्ज कराया था।

काशी पहुंचे सीएम, बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए

बोले- एमपी-यूपी लिखेंगे विकास की नई इबारत

• भोपाल संवाददाता

भोपाल | मध्यप्रदेश-उत्तर प्रदेश सहयोग सम्मेलन के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव मंगलवार को वाराणसी पहुंचे। वाराणसी पहुंचने पर उत्तरप्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नन्दी' ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान, खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश यादव सहित वाराणसी के जनप्रतिनिधि तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे। सीएम डॉ. यादव ने यहां बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन किए और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का भ्रमण किया। उन्होंने यहां क्राउड फ्लो डिजाइन, इंफ्रास्ट्रक्चर, तीर्थयात्री प्रबंधन प्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर भीड़ प्रबंधन पर विशेष प्रस्तुतियां देखीं। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में अधिकारियों के साथ भी बैठक की। उन्होंने मंदिर प्रबंधन से जुड़ीं कई अहम जानकारियां भी लीं।

आखिरी दिन बस्तर में बड़ा सरेंडर: 105 हथियार के साथ 33 नक्सलियों का आत्मसमर्पण, सात किलो सोना; तीन करोड़ कैश

• जगदलपुर, एजेंसी

जगदलपुर | छत्तीसगढ़ के बस्तर रेंज के चार जिलों में आज सुरक्षाबलों ने बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान कुल 33 कैडर (नक्सलियों) को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। सुरक्षा बलों ने इन अभियानों में भारी मात्रा में हथियार, नकदी और सोना भी बरामद किया है। बीजापुर जिले में 25 कैडर को पकड़ा गया। यहां से कुल 93 हथियार बरामद हुए, जिनमें चार एके-47 और नौ एसएलआर राइफलें शामिल हैं। बीजापुर में कुल 14.06 करोड़ रुपये की डंप रिकवरी भी हुई है। इसमें 2.90 करोड़ रुपये नकद और 7.2 किलोग्राम सोना शामिल है। बरामद सोने की कीमत 11.16 करोड़ रुपये आंकी गई है। दंतेवाड़ा जिले में पांच कैडर को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से आठ एसएलआर सहित

अन्य कई हथियार मिले हैं। सुकमा जिले में दो कैडर पकड़े गए। यहां से एक एलएमजी, दो एके-47 और 10 लाख रुपये नकद बरामद हुए। नारायणपुर जिले में एक कैडर को एक एलएमजी के साथ पकड़ा गया।

बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। यहां से कुल 14.06 करोड़ रुपये की संपत्ति बरामद की गई है। इस बरामदगी में 2.90 करोड़ रुपये की नकदी और 7.2 किलोग्राम सोना शामिल है। बरामद सोने की कीमत 11.16 करोड़ रुपये बताई गई है, जो एक बड़ी उपलब्धि है।

दंतेवाड़ा जिले में पांच कैडर और आठ एसएलआर हथियार बरामद हुए। सुकमा में दो कैडर के साथ एक एलएमजी और दो एके-47 राइफलें मिलीं। सुकमा से 10 लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं।

टेनिस कोर्ट के बाद सियासत में लिएंडर पेस की नई पारी, पश्चिम बंगाल में बीजेपी का बनेंगे चेहरा?

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | 18 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले महान टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने मंगलवार (31 मार्च) को आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। इन चुनावों के लिए मतदान दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होगा और मतगणना 4 मई को निर्धारित है। राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और सुकांत मजूमदार की उपस्थिति में टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी ने भाजपा में प्रवेश किया। उनके पश्चिम बंगाल चुनाव लड़ने की संभावना है।

पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को धन्यवाद देना चाहता हूं। मुझे जो अवसर मिला है, उसके लिए मैं आभारी हूं... यह सिर्फ एक टिकट नहीं है; यह एक जिम्मेदारी है... मुझे देश और उसके युवाओं की सेवा करने का अवसर मिला है... 'खेलो इंडिया' एक बेहतरीन पहल है... मेरा इरादा युवाओं पर उसी समर्पण और एकाग्रता के साथ ध्यान केंद्रित करने का है, जैसा कि प्रधानमंत्री ने 'खेलो इंडिया' और युवा पीढ़ी के प्रति दिखाया है। भाजपा में शामिल हुए लिएंडर पेस पश्चिम बंगाल चुनावों में पार्टी को संभावित बढ़त दिला सकते हैं, खासकर कोलकाता जैसे शहरी इलाकों में, जहां उनकी मजबूत पहचान और लोकप्रियता है।

सीएम ममता बनर्जी ने चुनाव आयुक्त को फिर लिखा पत्र, बोलीं- बंगाल में फर्जी वोटरों से लोकतंत्र पर खतरा

• कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता | पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले एक बार फिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) को पत्र लिखकर राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की कोशिश की जा रही है, जिससे असली वोटरों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं।

ममता बनर्जी ने अपने पत्र में कहा कि बंगाल में लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ एक बड़ी साजिश रची जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोग हजारों फर्जी फॉर्म-6 आवेदन जमा कर बाहरी लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया वोटर हाइजैकिंग

की कोशिश है। उन्होंने दावा किया कि इस तरह की रणनीति पहले महाराष्ट्र और दिल्ली में भी अपनाई गई थी।

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग की SIR प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अभी भी 60 लाख से अधिक वास्तविक मतदाता जांच प्रक्रिया में फंसे हैं, जबकि बड़ी संख्या में फर्जी आवेदन तेजी से स्वीकार किए जा रहे हैं।

असम में गरजे राजनाथ सिंह , बोले- कांग्रेस ने राज्य के साथ हमेशा किया सौतेला व्यवहार

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को असम की उपेक्षा करने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की और उस पर राज्य के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। असम के तेजपुर में एक चुनावी रैली में बोलते हुए, सिंह ने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत पर विश्वास व्यक्त किया। एनडीए उम्मीदवार और असम गण परिषद के नेता पृथ्वीराज राभा के साथ सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने असम की सांस्कृतिक और प्राकृतिक समृद्धि की प्रशंसा की।

राजनाथ ने कहा कि असम की धरती संस्कृति और प्रकृति दोनों में समृद्ध है। असम की चाय की सुगंध न केवल भारत में, बल्कि विश्व भर में पाई जाती है। यह साहस की भूमि है और महान नायक लचित बोरफुकन की भी। असम के वीरों ने देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। आपके इस जज्बे को देखकर मुझे पूरा विश्वास है कि कोई भी ताकत यहां भाजपा सरकार के गठन को नहीं रोक सकती।

सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा असम की संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने यह संकल्प लिया है कि असम की संस्कृति और पहचान सुरक्षित रहनी चाहिए। और इसीलिए हिमंता के नेतृत्व में दो इंजन वाली सरकार यहां काम कर रही है। असम ने अब भारत में एक विशिष्ट पहचान हासिल कर ली है। कांग्रेस ने हमेशा असम की उपेक्षा की है। यहां असम के साथ सौतेला व्यवहार किया गया। कांग्रेस के कुशासन के कारण यहां की चर्चा उग्रवाद, गरीबी और अशांति के इर्द-गिर्द घूमती रही।

उन्होंने असम के परिदृश्य में आए बदलाव पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि लेकिन अब समय बदल गया है। आज पूरी दुनिया में कोई भी भुखमरी या उग्रवाद की बात नहीं करता। अब यहां विकास की चर्चा होती है, जो भाजपा की बदौलत ही संभव हो पाया है। कांग्रेस शासन के दौरान सीमावर्ती कई गांवों को 'पिछड़े गांव' कहा जाता था, लेकिन हमने उन्हें देश के 'पहले गांव' का दर्जा दिला दिया है।

असम में सीएम हिमंता बिस्वा का बड़ा ऐलान

'लव जिहाद' और यूसीसी पर 3 महीने में लाएंगे कानून

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि सत्ता में आने के बाद भारतीय जनता पार्टी असम को उस मुकाम तक ले जाएगी जहां वह राष्ट्र के विकास में एक अहम भूमिका निभाएगा, न कि एक आश्रित राज्य बनकर रह जाएगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए सरमा ने बताया कि भाजपा असम के आदिवासी और जातीय समुदायों के अधिकारों को प्रभावित किए बिना राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करेगी। सरकार लव जिहाद और भूमि जिहाद के खिलाफ सख्त कानून भी लाएगी।

हिमंता ने कहा कि सत्ता में वापस आने के बाद, असम के आदिवासी और अन्य जातीय समुदायों के अधिकारों को प्रभावित किए बिना, हम तीन महीने के भीतर समान नागरिक संहिता लागू करेंगे। हम लव जिहाद और भूमि जिहाद के खिलाफ सख्त कानून भी ला रहे हैं। सरमा ने आगे कहा कि अवैध अप्रवासी निष्कासन अधिनियम 1950 को भी लागू किया जाएगा, जो 24 घंटे के भीतर अवैध अप्रवासियों को कानूनी रूप से निष्कासित करने का अधिकार देगा।

उन्होंने कहा कि हम असम के जिला आयुक्तों को अवैध अप्रवासी निष्कासन अधिनियम 1950 को लागू करने का अधिकार देंगे, जिसके तहत जिला कलेक्टर या जिला मजिस्ट्रेट को 24 घंटे के भीतर किसी भी विदेशी को निष्कासित करने का अधिकार है। हम अपनी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने वालों के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। हम बांग्लादेशी घुसपैठियों से अपनी जमीन का एक-एक इंच सुरक्षित करेंगे, उन्होंने आगे कहा।

रोजगार क्षेत्र पर बोलते हुए, असम के मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि युवाओं के लिए कम से कम 2 लाख रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। इसके साथ ही, सरकार का उद्देश्य महिलाओं के मासिक भत्ते में वृद्धि करना, समाज के गरीब वर्ग को आश्रय उपलब्ध कराना और चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी बढ़ाना भी है। उन्होंने कहा कि हमने 2 लाख सरकारी नौकरियां सृजित करने, महिलाओं को मिलने वाले मासिक भत्ते को 1500 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये करने और चरणबद्ध तरीके से 15 लाख सबसे गरीब लोगों के लिए घर बनाकर आश्रय प्रदान करने का संकल्प लिया है।

भाई की आखिरी इच्छा पूरी करने को 16 एंबुलेंस के साथ निकाली अंतिम यात्रा, उन्नाव में नम हो गईं सभी की आंखें

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले से एक भावुक कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक भाई ने अपने दिवंगत भाई की अंतिम इच्छा को पूरा करने के लिए उसकी अंतिम यात्रा में 16 एंबुलेंस शामिल कर दीं।

एक साथ सायरन बजाती एंबुलेंसों का यह काफिला जब सड़कों से गुजरा, तो हर कोई हैरान रह गया। जब लोगों को इसकी असल वजह पता चली, तो उनकी आंखें नम हो गईं।

यह घटना उन्नाव के पूरन नगर मोहल्ले की है। यहां के निवासी कमलेश, जो पेशे से राजमिस्त्री थे, लंबे समय से लिवर की गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। जब भी उनकी तबीयत बिगड़ती, उनके भाई विमलेश जो पेशे से एंबुलेंस चालक हैं उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाते और वापस घर लाते थे। यह सिलसिला कई वर्षों से चलता आ रहा था।

विमलेश के मुताबिक, कमलेश की एंबुलेंस से एक अलग ही भावनात्मक जुड़ाव बन गया था। उन्होंने अपनी अंतिम इच्छा जताई थी कि जब उनकी मृत्यु हो, तो उनकी अंतिम यात्रा एंबुलेंसों के साथ निकले।

धरनावदा थाना पुलिस ने लूट के मामले में की त्वरित कार्यवाही ,महज 24 घंटे के भीतर किया लूट का खुलासा

आरोपी को गिरफ्तार लूटी गई मोटर सायकिल की बरामद

धरनावदा / गुना। गुना पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के सशक्त एवं संवेदनशील नेतृत्व में गुना पुलिस द्वारा जिले में अपराध एवं अपराधियों पर निरंतर, प्रभावी एवं सख्त कार्यवाहियां की जा रहीं हैं । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर के मागदर्शन एवं एसडीओपी राघौगढ श्रीमती दीपा डोडवे के पर्यवेक्षण में धरनावदा थाना प्रभारी डीएसपी आनंद कुमार राय तथा उनकी टीम द्वारा लूट के एक गंभीर प्रकरण का खुलाशा करते हुए एक आरोपी गिरफ्तार कर जिसके कब्जे से लूटी गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है । उल्लेखनीय है कि फरियादी त्रिलोक सिंह पुत्र शिवचरण मीना, निवासी ग्राम रामखेड़ी थाना उमरावगंज, जिला रायसेन द्वारा दिनांक 29 मार्च 2026 को थाना धरनावदा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि दिनांक

26 मार्च 2026 को वह अपने मित्र अब्दुल रकीब के साथ झाड़-फूंक कराने गुना आया था । वापसी के दौरान रात्रि करीब 10:30 बजे, जैसे ही वे हाईवे स्थित चौबे फार्म हाउस के पास पहुंचे, तभी पीछे से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने उनकी मोटरसाइकिल के आगे वाहन लगाकर रास्ता रोक लिया । इसके तुरंत बाद एक अन्य मोटरसाइकिल पर सवार दो और युवक वहां आ पहुंचे । चारों आरोपियों ने रास्ता रोककर अश्लील गालियां दीं एवं दोनों के मोबाइल फोन, करीब 600 रुपये नकद एवं मोटरसाइकिल लूटकर फरार हो गए । फरियादी की रिपोर्ट पर थाना धरनावदा में अज्ञात 04 आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 58/26 धारा 126(2), 309(4), 296(बी) बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई । प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना धरनावदा पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए अज्ञात आरोपियों की तलाश प्रारंभ की गई । इसके लिए मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया तथा विभिन्न तकनीकी संसाधनों की सहायता से आरोपियों की पहचान के सघन प्रयास किए गए । सतत सूचना संकलन एवं प्रभावी तकनीकी विश्लेषण के आधार पर चारों आरोपियों की पहचान सुनिश्चित की गई, जिनकी गिरफ्तारी हेतु लगातार दबिश दी गई । इसी क्रम में आज दिनांक 30 मार्च 2026 को महज 24 घंटे के भीतर प्रकरण में एक आरोपी जीते पुत्र आकाश पारदी, उम्र 21 वर्ष, निवासी ग्राम बीलाखेड़ी थाना धरनावदा, हाल पटेल नगर थाना कैंट गुना को गिरफ्तार कर लिया गया । आरोपी के कब्जे से लूटी गई होंडा शाइन मोटरसाइकिल क्रमांक टढ04 6158 बरामद की गई । गिरफ्तार आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। प्रकरण में फरार शेष तीनों आरोपियों की तलाश निरंतर जारी है, जिन्हें शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा । धरनावदा थाना पुलिस की इस कार्यवाही में डीएसपी एवं थाना प्रभारी श्री आनंद कुमार राय, सउनि रामगोपाल सिंह, सउनि ओमप्रकाश शर्मा, प्रधान आरक्षक प्रदीप कुशवाह, प्रधान आरक्षक कल्याण सिंह, आरक्षक धर्मेन्द्र धाकड, आरक्षक सत्येन्द्र गुर्जर, आरक्षक रिशिकेष शर्मा, सिकरवार, आरक्षक सचिन तोमर, आरक्षक कपिल ओझा, आरक्षक सोनू जाटव एवं साइबर सेल से आरक्षक कुलदीप यादव, आरक्षक नीलेश रघुवंशी, आरक्षक राजीव रघुवंशी, आरक्षक संजय जाट, आरक्षक भूपेन्द्र खटीक, आरक्षक नवदीप अग्रवाल, आरक्षक आदित्य सिंह कौरव, कैंट थाने से आरक्षक राजू बघेल, शुभम रघुवंशी, आरक्षक सूर्यभान जाट, आरक्षक देवेन्द्र रघुवंशी, आरक्षक मनमोहन लोधी, आरक्षक धर्मेन्द्र रघुवंशी तथा सीसीटीव्ही कंट्रोल से आरक्षक ओमचरण कुशवाह, महिला आरक्षक सुधा रघुवंशी व प्रियंका रघुवंशी की विशेष भूमिका रही है ।

खाद आपूर्ति अधिकारी अवधेश पांडे के नेतृत्व में घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी पर सख्ती, चार प्रतिष्ठानों पर की गई कार्रवाई

गुना। गुना घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और व्यावसायिक दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त अभियान शुरू किया है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निदेर्शानुसार चलाए जा रहे इस अभियान के तहत सोमवार को शहर के कई प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई।जिला आपूर्ति अधिकारी अवधेश पांडेय के नेतृत्व में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आशीष चतुवेर्दी की टीम ने महावीर स्वीट्स (नई सड़क), श्री राम चाट भंडार, गोलू ग्वाल (ख्यावदा चौराहा) और पीताम्बरा कचौड़ी (तेलघानी) पर छापामार कार्रवाई की। जांच के दौरान इन प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग पाया गया। संबंधित संचालक वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके, जिसके चलते चार घरेलू गैस सिलेंडर जब्त कर प्रकरण दर्ज किए गए। इन सभी के विरुद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश भी2000 के तहत कार्रवाई की गई है, जो आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। जांच दल ने इसके अलावा केवलचंद अशोककुमार (सदर बाजार), प्रभुलाल हलवाई (सोलत गली), विपुल बेकरी (नयापुरा), विजय हलवाई (गल्लामंडी) और खाटू श्याम चाट भंडार (टेकरी मंदिर) की भी जांच की। इन प्रतिष्ठानों पर भोजन बनाने के लिए डीजल भट्टी, कोयला भट्टी और इंडक्शन का उपयोग किया जाता पाया गया। प्रशासन द्वारा शहर के होटल और हलवाई प्रतिष्ठानों की लगातार सघन जांच की जा रही है। साथ ही संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे घरेलू गैस के बजाय इंडक्शन और डीजल भट्टियों का अधिक उपयोग करें तथा जहां पाइपलाइन उपलब्ध है, वहां PNG कनेक्शन लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। घरेलू गैस सिलेंडरों की जमाखोरी और दुरुपयोग के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

आरोपियों को छुड़ाने के लिए पुलिस पर दबाव: कैंट थाने के सामने चक्काजाम

गुना। गुना शहर के कैंट थाने के सामने रविवार रात हाई-वोल्टेज ड्रामा करने और नवजात बच्चों की जान जोखिम में डालकर चक्काजाम करने वाली पारदी महिलाओं के खिलाफ पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा डालने और आम जनता का रास्ता रोकने के आरोप में 11 नामजद महिलाओं सहित उनके साथियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया है। यह कार्रवाई रविवार रात अशोकनगर रोड पर किए गए उस उग्र प्रदर्शन के बाद की गई है, जिसने पूरे शहर की यातायात व्यवस्था को घंटों तक ठप कर दिया था। वरिष्ठ अधिकारियों की समझाइश को किया दरकिनार मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना कैंट में पदस्थ उनि. कुशलपाल सिंह ने एफआईआर दर्ज कराई कि रविवार रात करीब 7:30 बजे थाने के सामने वाहनों की लंबी कतारें लग गई थीं। मौके पर जब पुलिस बल पहुंचा, तो पटेल नगर निवासी पारदी महिलाएं बबली बाई, पलकबाई, अंजली बाई, लक्ष्मीबाई, जयश्रीबाई, चिमनी बाई, रैनू बाई, तेजलबाई, राजलबाई, जौराबाई, दिव्याबाई और आकाश पारदी अपने साथियों के साथ बीच सडक पर बैठकर रास्ता रोके हुए थे। उनि. ज्योति राजपूत और अन्य महिला पुलिस बल ने जब उन्हें समझाइश देकर हटने को कहा, तो महिलाएं और अधिक उत्तेजित हो गईं। बच्चों को जमीन पर फेंकने का किया प्रयास प्रदर्शनकारी महिलाओं का आरोप था कि पुलिस उनके लडकों को चोरी और लूट के झूठे मामलों में पकडकर ले गई है।

गुना नपा ने किया २.९८ अरब का बजट पेश: विकास पर ८२ करोड़ खर्च करने की तैयारी, जनता पर नहीं बढ़ा कोई नया टैक्स

गुना। नगर पालिका परिषद गुना की अध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता ने सोमवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 2 अरब 98 करोड़ 72 लाख रुपये का अनुमानित बजट प्रस्तुत किया। इसके साथ ही जल प्रकोष्ठ के लिए अलग से 1 अरब 12 करोड़ 82 लाख 70 हजार रुपये का बजट पेश किया गया। परिषद की बैठक में मौजूद सभी पार्षदों ने ध्वनिमत से इस बजट को अपनी स्वीकृति प्रदान की। इस बजट की सबसे बड़ी राहत यह है कि नगर पालिका ने शहरवासियों पर किसी भी प्रकार का नया कर टेक्स नहीं लगाया है और न ही जलकर में कोई वृद्धि की गई है।

वार्डों के विकास और स्वास्थ्य पर रहेगा जोर

बजट में शहर के सभी 37 वार्डों में निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी गई है, जिसके लिए 82 करोड़ 15 लाख रुपये का प्रावधान रखा गया है। वहीं, जन स्वास्थ्य और अन्य नागरिक सुविधाओं के विस्तार पर 18 करोड़ 77 लाख 57 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। बजट निर्माण में पिछले तीन वर्षों की वास्तविक आय को आधार बनाया गया है और नियमानुसार शुद्ध आय का 5 प्रतिशत (करीब 6.37 करोड़ रुपये) संचित निधि में रखा गया है।

पेयजल संकट से निपटने का मास्टर प्लान

जल प्रकोष्ठ के बजट में जलकर की वसूली और शासन से मिलने वाले अनुदानों को आय का मुख्य स्रोत बनाया गया है। जल कार्य समिति के चेयरमैन राजू ओझा द्वारा प्रस्तुत इस बजट में ग्रीष्मकालीन पेयजल संकट से निपटने के लिए 2.30 करोड़ रुपये के नवीन कार्यों का प्रावधान है। एनीकट से जलापूर्ति और टैंकरों के माध्यम से शहर में पानी की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। राजस्व समिति चेयरमैन कैलाश धाकड़ ने मुख्य बजट पेश किया। बैठक में अध्यक्ष ने आश्वस्त किया कि यह बजट शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और नागरिकों को बिना अतिरिक्त आर्थिक बोझ दिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

पराली जलाने पर प्रशासन सख्त , तहसीलदार देवदत्त गोलियां पहुंचे पनहेटी–कलोरा , किसानों पर कार्रवाई, किया प्रकरण तैयार

बमोरी / गुना। गुना जिले में पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। कलेक्टर के निदेर्शानुसार बमोरी तहसीलदार देवदत्त गोलियां ग्राम पंचायत पनहेटी एवं कलोरा अपनी टीम के साथ पहुंचे पराली जलाने के मामलों में विभिन्न किसानों के विरुद्ध प्रकरण तैयार कर अर्थदंड अधिरोपित करने की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन द्वारा की गई जांच में सामने आया कि कुछ किसानों द्वारा फसलों की पराली जलाई गई, जिसके बाद संबंधित किसानों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। इनमें कृषक मांगीलाल पुत्र जैसा बंजारा, रामदयाल सहरिया पुत्र घसिया सहरिया, जगदीश धाकड़ सहित अन्य किसानों के प्रकरण तैयार किए गए हैं। पराली जलाना पर्यावरण के लिए हानिकारक है और इससे वायु प्रदूषण के साथ-साथ भूमि की उर्वरता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते

हुए प्रशासन एक ओर किसानों को जागरूक कर रहा है, वहीं दूसरी ओर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा कृषकों से अपील की है कि वे पराली न जलाएं और इसके वैकल्पिक उपयोग अपनाएं, अन्यथा नियमों के तहत अर्थदंड सहित अन्य कार्रवाई की जाएगी पराली न जलाने के लिए प्रशासन की पहल, ग्राम कलोरा में चौपाल आयोजित, किसानों को किया जागरूक इधर जिले में पराली जलाने की समस्या को रोकने के लिए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निदेर्शानुसार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बमोरी के ग्राम पंचायत कलोरा में ग्राम चौपाल का आयोजन कर किसानों को पराली न जलाने के लिए प्रेरित किया गया। चौपाल के दौरान किसानों को समझाइश दी गई कि पराली जलाने से पर्यावरण को गंभीर नुकसान होता है और मिट्टी की उर्वरता भी प्रभावित होती है। अधिकारियों ने किसानों को नरवाई से भूसा बनाने की जानकारी देते हुए बताया कि इससे उन्हें अतिरिक्त लाभ भी मिल सकता है। इस दौरान तहसीलदार बमोरी देवदत्त गोलिया, ग्राम सरपंच, पटवारी प्रशांत त्रिवेदी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन गैस संकट और महंगाई पर शासन की तानाशाही पर भड़के कांग्रेसी जुलूस निकाल कर दिया ज्ञापन

गुना। रसोई गैस की किल्लत, बिजली दरों में बढ़ोतरी और पेट्रोल-डीजल के दामों में बेतहाशा वृद्धि के विरोध में सोमवार को शहर कांग्रेस कमेटी ने गुना के हनुमान चौराहे पर उग्र प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश और जिला अध्यक्ष जयवर्धन सिंह के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा और केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों को जमकर आड़े हाथों लिया। प्रदर्शन के दौरान उस समय स्थिति गंभीर हो गई जब कांग्रेस नेता ज्ञापन देने एसडीएम कार्यालय पहुँचे। नेताओं का आरोप था कि एसडीएम ने दोपहर 1 बजे का समय दिया था, लेकिन उनके पहुँचने पर अधिकारी मौजूद नहीं थे। इस पर नाराज कांग्रेसियों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और एसडीएम को मौके पर बुलाने की मांग की। जब कोई अधिकारी नहीं आया, तो कांग्रेसी कार्यालय परिसर में ही धरने पर बैठ गए और रघुपति राघव राजा राम भजन गाकर अपना विरोध दर्ज कराया। बाद में नायब तहसीलदार कमल सिंह मंडेलिया ने मौके पर पहुँचकर ज्ञापन लिया। इससे पहले हनुमान चौराहे पर हुए प्रदर्शन को संबोधित करते हुए शहर अध्यक्ष पं. रजनीश शर्मा ने कहा कि महंगाई की मार ने आम नागरिक की कमर तोड़ दी है। एलपीजी और पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत से रोजमर्रा की वस्तुएं महंगी हो गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने गैस के दाम 60 रुपए बढ़ा दिए हैं और आगे भी बढ़ोतरी की संभावना है। गैस बुकिंग का वेटिंग टाइम बढ़ने से लोग परेशान हैं। बढ़ती लागत के कारण उद्योग-धंधे बंद होने की कगार पर हैं, जिससे बेरोजगारी चरम पर पहुँच गई है। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार की विदेश नीति की भी आलोचना की और मांग की कि ईंधन पर लगने वाले टैक्स को तत्काल कम किया जाए ताकि आमजन को राहत मिल सके। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि ऐसी सरकारों को उखाड़ फेंकें जो महंगाई को बढ़ावा दे रही हैं। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने सरकार विरोधी तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कैलाश नारायण भार्गव मेहरबान सिंह धाकड़ पूर्व जिला अध्यक्ष हरिशंकर विजयवर्गीय एडवोकेट वरुण सूद

रमेश सैंडो सीमा यादव महिला कांग्रेस अध्यक्ष आदि ने महंगाई के खिलाफ अपने विचारों को प्रकट किया आभार प्रकट नगर पालिका प्रतिपक्ष नेता शेखर वशिष्ठ कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में प्रभारी हनुमान सिंह दावतपुरा, आबिद खान ब्लॉक 2 के अध्यक्ष हलीम खान पार्षद पाषर्दगढ़ राजू जाट, नरेंद्र सिंह कुशवाह रईस खान, रामवीर सिंह जाटव, तरुण सेन, महेश कुशवाह, रामस्वरूप जाटव, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा यादव, ब्लॉक अध्यक्ष पार्वती अहिरवार, गायत्री सरगुनिया, ज्योति कुशवाहा, प्रीति परिहार, रामकली गोस्वामी, गीता धाकड़, माधव महाराज सखंर्डी, नरेंद्र सोनवार, जितेंद्र शर्मा, जयपाल सिंह जाट, ज्ञान सिंह पिप्पल, अशोक सोनी, रितेश तिवारी, मनोज पाराशर, समीर, एडवोकेट हर्ष मेर, पंकज कनेरिया, धर्मेंद्र धाकड़, कैलाश यादव, रियाजुद्दीन कुरैशी, प्रशांत शर्मा, पप्पू भैया, छोटू शिमला, कृष्ण गोपाल वशिष्ठ, कबीरूद्दीन, आमिर खान, भगवान लाल अहिरवार, भगवान सिंह, बनवारी लाल ओझा, वीरेंद्र ओझा, नंदू भाई, फूल सिंह, मोहनी, आर्यन सैंडो सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

अल्फा स्कूल की संवेदनहीनता, टॉपर बेटियों को स्कूल से निकाला, बीमार बच्ची के इलाज में भी डाली रुकावट; कोतवाली में शिकायत

अल्फा स्कूल पहले भी रह चुका है विवादों में एक छात्रा के साथ मारपीट करने पर हुआ था जमकर बवाल लेकिन प्रशासन की कार्रवाई आज तक नहीं हुई

गुना। गुना शहर के दलवी कॉलोनी स्थित अल्फा स्कूल प्रबंधन द्वारा शिक्षा के अधिकार और मानवीय संवेदनाओं को ताक पर रखने का एक गंभीर मामला सामने आया है। स्कूल संचालक ने कथित तौर पर एक साजिश के तहत कक्षा की टॉपर छात्राओं को स्कूल से बाहर का रास्ता दिखा दिया। सोमवार को पीड़ित बच्चियों ने अपने माता-पिता के साथ सिटी कोतवाली पहुंचकर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही के लिए आवेदन सौंपा है। बीमारी बनी मजबूरी, स्कूल ने बनाया प्रताडा का जरिया भगत सिंह कॉलोनी निवासी दिलीप थापर ने बताया कि उनकी 6 वर्षीय बेटी इशिता टाइप-1 डायबिटीज जैसी गंभीर जानलेवा बीमारी से पीड़ित है। उसे दिन में कई बार इंसुलिन के इंजेक्शन देने पड़ते हैं और शुगर की जांच करनी होती है। चूंकि बच्ची बहुत छोटी है, इसलिए पिता को हर रोज स्कूल जाकर उसे इंसुलिन देना और खाना खिलाना पड़ता है। दाखिले के समय स्कूल संचालक जॉय वर्गीस ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया था, लेकिन कुछ माह बाद ही प्रबंधन ने इस मानवीय प्रक्रिया में रोक-टोक और प्रताड़ना शुरू कर दी। प्रशासन की हिदायत भी रही बेअसर पीड़ित पिता ने बताया कि इस संबंध में पहले भी कलेक्टर और सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की गई थी। प्रशासन ने स्कूल को हिदायत देकर मामला शांत करा दिया, लेकिन स्कूल संचालक के हौसले इतने बुलंद थे कि उन्होंने सुधार करने के बजाय बदले की भावना से काम किया। जैसे ही बच्चों के वार्षिक इम्तेहान पूरे हुए, परिणाम के दिन ही दोनों बेटियों लेशाना (14) और इशिता (6) का नाम स्कूल से काट दिया गया।

निर्धनता का मजाक और भविष्य से खिलवाड़

जोमेटो कंपनी में डिलीवरी बॉय के रूप में कार्यरत दिलीप थापर ने आरोप लगाया कि उनकी आर्थिक स्थिति और मजबूरी का स्कूल द्वारा मजाक उड़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समय पर फीस भरने के बावजूद स्कूल संचालक ने उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल की और बच्चों के भविष्य को अधर में डाल दिया है। कोतवाली पुलिस ने आवेदन स्वीकार कर मामले की जांच और उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है। आपको बता दें कि अल्फा स्कूल पूर्व में भी विवाद में रहा है पिछली बार एक छात्र से स्कूल प्रबंधक द्वारा मारपीट की गई थी जिस पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया था वहीं प्रशासन ने कार्रवाई का आश्वासन दिया था परंतु आज दिनांक तक अल्फा स्कूल प्रबंधन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई और फिर बेटियों को निकालने का मामला सामने आ गया है देखने वाली बात यह होगी कि आश्वासन के बाद क्या जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन कोई कार्रवाई करेगा या फिर पूर्वी की तरह ठंडा बस्ती में डाल दिया जाएगा और स्कूल प्रबंधन के हौसले बुलंद होंगे।

प्रदेश में एक अप्रैल से शुरू होगा 'स्कूल चलें हम' अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम, 4 अप्रैल तक चलने वाले इस अभियान में आयोजित होंगी विभिन्न गतिविधियां

स्कूल शिक्षा विभाग ने अभियान की तैयारी को लेकर सभी जिलों के कलेक्टर्स व जिला शिक्षाधिकारियों को जारी किए दिशा-निर्देश

भोपाल,निप्र। प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2026-27 एक अप्रैल से शुरू होगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इसे ÷स्कूल चलें हम÷ अभियान के रूप में मनाया जाएगा। यह 4 अप्रैल तक चलेगा। अभियान में प्रदेश में 1 से 4 अप्रैल तक प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टर्स और जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी जारी किये हैं। इस दौरान प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सैकेण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं।

राज्य स्तरीय आयोजन

"स्कूल चलें हम" अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा। कार्यक्रम के आयोजन को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

जिला-शाला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

प्रदेश में जिले के प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम चयनित स्कूलों में होगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। उपस्थित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जायेंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जायें। इस संबंध में विभाग द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी और मैदानी अमले को निर्देश भी जारी कर दिये गये हैं। ग्राम और बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन कराया जायेगा। बच्चों के अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जायेगा। कक्षा 1 से 8 तक सभी शालाओं में एक अप्रैल को बालसभा का आयोजन किया जायेगा। इस दिन शालाओं में विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम

"स्कूल चलें हम" अभियान के दूसरे दिन शालाओं में "भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जायेगा। इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा। आमंत्रित अतिथि उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियां सुनाएंगे। इस दौरान सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वेच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएं भेंट कर सकेंगे। जिला कलेक्टर को जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को किसी एक शाला में जाकर एक कालखण्ड में बच्चों के साथ संवाद करने के लिये संवाद करने के भी निर्देश दिये गये हैं।

सांस्कृतिक एवं खेल-कूद गतिविधियाँ

"स्कूल चलें हम" अभियान के अंतर्गत 3 अप्रैल को शाला स्तर पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इसका उद्देश्य पालकों का विद्यालय से जोड़ना है। इसी दिन शाला में उपस्थित पालकों को शैक्षणिक स्टॉफ द्वारा राज्य सरकार की स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। पिछले शैक्षणिक सत्र में जिन विद्यार्थियों की 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति रही है, उनके पालकों को सभा में सम्मानित किया जायेगा।

हार के आगे जीत

"स्कूल चलें हम" अभियान के अंतर्गत 4 अप्रैल को ऐसे छात्रों को चिन्हित किया जायेगा, जो किन्हीं वजहों से कक्षोन्नति प्राप्त करने में असफल हो गये हैं। पालकों को इन बच्चों की आगे की पढ़ाई के लिये समझाइश दी जायेगी। उन्हें बताया जायेगा कि असफल होने के बाद भी लगातार प्रयास से अच्छा भविष्य तैयार किया जा सकता है। इसी दिन शाला प्रबंधन और विकास समिति की बैठक भी होगी। बैठक में नये शैक्षणिक सत्र में ऐसे बच्चों पर विशेष रूप से चर्चा की जायेगी, जिनका शालाओं में नामांकन नहीं हो पाया है। समिति के सदस्य अपने विद्यालयों में शत-प्रतिशत बच्चों के नामांकन की कोशिश करेंगे और वार्षिक कार्य-योजना बनाकर उसके क्रियान्वयन पर चर्चा करेंगे।

उज्जैन में 3 से 5 अप्रैल को होगा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम'

प्राचीन ज्ञान परंपरा और आधुनिक अंतरिक्ष विज्ञान पर होगा वैश्विक मंथन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सम्मेलन में होंगे शामिल

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आगामी 3 अप्रैल को उज्जैन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ÷महाकाल÷ द मास्टर ऑफ टाइम÷ के उद्घाटन सत्र में शामिल होंगे। यह सम्मेलन 3 से 5 अप्रैल तक उज्जैन के समीप डोंगला में होगा। सम्मेलन का उद्घाटन उज्जैन स्थित तारामंडल परिसर में होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन, जो प्राचीन काल से समय गणना और खगोल विज्ञान की वैश्विक धुरी रही है, एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिक और बौद्धिक संगम का केंद्र बनेगी। भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक अंतरिक्ष विज्ञान के समन्वय पर केंद्रित यह सम्मेलन देश-विदेश के वैज्ञानिकों, खगोलविदों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों तथा अंतरिक्ष क्षेत्र के विशेषज्ञों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। कार्यक्रम में साइंस सेंटर का उद्घाटन भी किया जाएगा। साथ ही यूएवी (अनमैन्ड एरियल व्हीकल) एवं आरसी (रिमोट कंट्रोल) और सैटेलाइट मेकिंग (उपग्रह निर्माण) विषयों पर विशेष कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, जो युवाओं में तकनीकी कौशल, नवाचार क्षमता तथा अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि को प्रोत्साहित करेंगी। तीन दिवसीय कार्यक्रम मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) और विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। सह-आयोजक संस्थाओं में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, वीर भारत न्यास और दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान कार्यक्रम की सह-आयोजक संस्थाएं हैं।

डोंगला का ऐतिहासिक एवं वैज्ञानिक महत्व

उज्जैन से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित डोंगला प्राचीन काल से खगोल एवं ज्योतिषीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रहा है। कर्क रेखा के यहां से गुजरने के कारण इसे काल गणना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। सम्मेलन में उज्जैन-डोंगला को वैश्विक मेरिडियन (मध्यान रेखा) के रूप में स्थापित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की जाएगी।

इन प्रमुख विषयों पर होगा विचार-विमर्श

सम्मेलन में आधुनिक विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा के समन्वय से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

प्रमुख विषयों में विकसित भारत में स्पेस इकोनॉमी की भूमिका, खगोल विज्ञान, एस्ट्रोफिजिक्स एवं कॉस्मोलॉजी की नवीनतम तकनीक, भारतीय काल गणना पद्धति का वैज्ञानिक आधार, कालचक्र की अवधारणा और स्पेस सेक्टर से जुड़ी रणनीतियां शामिल हैं।

विविध कार्यक्रम होंगे आयोजन के आकर्षण

तीन दिवसीय सम्मेलन में मुख्य व्याख्यान, उच्च स्तरीय पैनल चर्चा, तकनीकी सत्र, ओपन सेशन, टेक्नोलॉजी एक्सपो, स्टार्टअप कॉन्फ्रेंस, डोंगला वेधशाला का भ्रमण, कार्यशालाएं, पुस्तक विमोचन, प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

डॉ. विक्रम साराभाई के विज़न को मिलेगा विस्तार

उज्जैन प्राचीन काल से समय मापन का प्रमुख केंद्र रहा है। महान खगोलविद आचार्य वराहमिहिर ने उज्जैन को खगोलीय गणनाओं का आधार बनाया था। यहां विकसित कालचक्र की अवधारणा आज भी आधुनिक खगोल विज्ञान को प्रेरित करती है। यह सम्मेलन डॉ. विक्रम साराभाई के उस विज़न को आगे बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की परिकल्पना की गई थी।

उज्जैन को वैश्विक टाइम स्केल सेंटर बनाने की पहल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश स्पेस टेक्नोलॉजी और नवाचार के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार उज्जैन को पुनः वैश्विक ÷टाइम स्केल सेंटर÷ के रूप में स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है। साथ ही आधुनिक साइंस सेंटर और प्रस्तावित साइंस सिटी के माध्यम से युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को मिलेगा बल

उज्जैन आगामी सिंहस्थ-2028 की तैयारियाँ भव्य रूप कर रहा है। सम्मेलन में इसरो, सीएसआईआर, डीआरडीओ, नीति आयोग सहित देश-विदेश के प्रमुख शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों के प्रतिनिधियों की सहभागिता प्रस्तावित है।

पुरानी नलकूप सेवाओं को बंद कर नवीन जल प्रदाय प्रणाली से जुड़ें नगरीय निकाय : प्रबंध संचालक श्री भोंडवे

जल प्रदाय और सीवरेज परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

भोपाल,निप्र। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा प्रदेश के विभिन्न अंचलों में संचालित विकास परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए आयुक्त सह प्रबंध संचालक श्री संकेत भोंडवे ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। होटल पलाश में योजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में श्री भोंडवे ने 46 नगरों की जल प्रदाय योजनाओं और 3 नगरों की सीवरेज परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का सूक्ष्म विश्लेषण किया। श्री भोंडवे ने निर्देशित किया कि जिन नगरीय निकायों में नवीन जल प्रदाय व्यवस्था सुचारू रूप से प्रारंभ हो चुकी है, वहां पुराने नलकूपों (ट्यूबवेल) को तत्काल बंद किया जाए, जिससे भू-जल का संरक्षण सुनिश्चित हो सके। प्रबंध संचालक श्री भोंडवे ने स्मार्ट मीटरिंग और पर्यावरण संरक्षण पर आधुनिक तकनीक के समावेश पर कहा कि जल प्रबंधन में पारदर्शिता लाने के लिए लगाए जा रहे जल मीटरों में न्यूनतम 5 प्रतिशत %स्मार्ट मीटर% स्थापित करना अनिवार्य होगा। उन्होंने जल शोधन संयंत्रों (ङ्खञ्जक्क) और मलजल शोधन संयंत्रों (स्ञ्जक्क) के परिसर को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। श्री भोंडवे ने ÷माय लाइफ÷ (स्4 स्न्द्बद्ग) पोर्टल का उल्लेख करते हुए कहा कि आगामी मानसून के दौरान इन संयंत्रों के समीप सघन वृक्षारोपण किया जाए और इसकी शत-प्रतिशत प्रविष्टि पोर्टल पर सुनिश्चित की जाए।

सुरक्षा मानकों और सुदृढ़ अधोसंरचना का संकल्प

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को सर्वोपरि बताते हुए श्री भोंडवे ने पाइपलाइन बिछाने के उपरांत किए जाने वाले %रोड रेस्टोरेशन% (सड़क बहाली) के कार्यों पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बहाली के कार्य में गुणवत्ता की कमी पाई गई, तो संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने परियोजना प्रबंधकों को निर्देशित किया कि वे मुख्य नगर पालिका अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित करें। निर्माण स्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा, बैरिकेडिंग और यातायात डायवर्जन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

सामुदायिक सहभागिता और नियमित मॉनिटरिंग

अतिरिक्त प्रबंध संचालक श्री दिव्यांक सिंह ने बैठक में परियोजनाओं की सफलता के लिए सामुदायिक गतिविधियों के विस्तार की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं से जन-सामान्य को जोड़ने के लिए मुख्यालय स्तर पर एक प्रभावी पुनर्नीति तैयार की जानी चाहिए। मुख्य अभियंता श्री शैलेन्द्र शुक्ला ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रमुख अभियंता श्री आनंद सिंह, विभिन्न जिलों के परियोजना प्रबंधक, परामर्शदाता फर्मों के विशेषज्ञ और संविदाकार संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ट्रांसजेंडर के कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मंत्री नारायण सिंह कुशवाह

भोपाल,निप्र। मध्यप्रदेश राज्य उभयलिंगी कल्याण बोर्ड की बैठक में सोमवार को सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि उभयलिंगी समुदाय के अधिकारों की रक्षा एवं उनके समग्र विकास के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है और भविष्य में भी इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। बैठक में प्रदेश में उभयलिंगी (ट्रांसजेंडर) वर्ग के कल्याण के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की समीक्षा की गई। बैठक में आगामी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजल कल्याण श्रीमति सोनाली वायंगणकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि राज्य सरकार उभयलिंगी व्यक्तियों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस वर्ग के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से प्रदान करना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को पहचान पत्र एवं परिचय पत्र जारी करने की जिला स्तर पर प्रगति की समीक्षा की गई और इस प्रक्रिया को और अधिक सरल एवं तेज बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं में उभयलिंगी व्यक्तियों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। मंत्री ने कहा कि सभी विभाग समन्वय स्थापित कर इस वर्ग के लिए रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल विकास के अवसर सुनिश्चित करें। विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर बल दिया गया। बैठक में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए 'गरिमा गृह' (शेल्टर होम) की स्थापना के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षित आवास की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम शीघ्र उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि यह पहल इस वर्ग के लोगों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। बैठक में बोर्ड के सदस्यों एवं समाजसेवियों ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने जागरूकता अभियान चलाने, सामाजिक भेदभाव को कम करने तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्थानीय स्तर पर निगरानी तंत्र मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

राजनीति में विनम्रता, मर्यादा और अनुशासन आवश्यक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा विधायकों के दो दिवसीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

मध्यप्रदेश सहित राजस्थान और छत्तीसगढ़ के युवा विधायक हुए शामिल

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राजनीति में विनम्रता, मर्यादा और अनुशासन आवश्यक है। वे ही इस क्षेत्र में सक्रिय और सफल हो सकते हैं, जिनमें जनसेवा और जनकल्याण की भावना हो। व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से राजनीति में आने वाले लोगों के कारण लोकतांत्रिक मूल्यों और व्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। जनप्रतिनिधियों के लिए जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील होना, अध्ययनशील होना, तनाव प्रबंधन में दक्ष होना और जनहित के लिए पूर्ण समर्पण से कार्य करना आवश्यक है। कोई समस्या आने पर जनप्रतिनिधि का व्यवहार और समस्या निराकरण के लिए उनका प्रबंधन कौशल, उनके व्यक्तित्व को दर्शाता है। सकारात्मक और समाज हित की गतिविधियों और विकास कार्यों के लिए हमें दलगत मतभेदों से ऊपर उठकर सोचना और कार्य करना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मध्यप्रदेश विधानसभा में आयोजित युवा विधायकों के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। विधानसभा के विधान परिषद हाल में हुआ कार्यक्रम वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुआ। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी, प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार विशेष रूप से उपस्थित थे। सम्मेलन में राष्ट्रकुल संसदीय संघ (भारत क्षेत्र 6) के तीन राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा राजस्थान के 45 वर्ष आयु तक के विधायक सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह मानना कि लोकतंत्र के विचार की उत्पत्ति पश्चिम से हुई थी, पूर्णतः सत्य नहीं है। लोकतंत्र, भारतीय राजनैतिक व्यवस्था का नैसर्गिक गुण है। भारतीय व्यवस्थाओं में सदैव से ही मत भिन्नता को सम्मान दिया गया है, राजनैतिक और धार्मिक व्यवस्थाओं में शास्त्रार्थ की परम्परा प्राचीन समय से रही है। भारत में विचारों की अभिव्यक्ति को सभी क्षेत्रों में सम्मान और महत्व प्रदान किया गया। भारत में ऐतिहासिक रूप से जुड़े लोकतंत्र के संस्कारों और मूल्यों का ही परिणाम है कि अंग्रेजों के जाने के बाद भी देश में लोकतंत्र पर आधारित व्यवस्थाएं सुगमता से संचालित होती रहीं। जबकि अन्य पड़ोसी देशों का हाल सबके सामने है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा विधायकों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें हर स्थिति में सम भाव से रहने की प्रेरणा मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम से लेना चाहिए। जब उन्हें राजपाट सौंपा जाना था, तब उन्हें वनवास दे दिया गया। परंतु उन्होंने दोनों स्थितियों को समभाव से लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य सहित कई भारतीय शासकों के इतिहास से ज्ञात होता है कि उन्होंने कभी अपनी अगली पीढ़ी को राज सत्ता सौंपने का उपक्रम नहीं किया। राज्य के प्रबंधन में लगे लोगों ने ही उनके बाद व्यवस्थाएं संभाली। ऐसे महान शासकों का मानना था कि यदि अगली पीढ़ी में नेतृत्व क्षमता और राज सत्ता के प्रबंधन की दक्षता होगी, तो वे स्वयं इस दिशा में सक्रिय होंगे। इन भारतीय मूल्यों और परम्पराओं का वर्तमान में भी पालन होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों और सत्ता से जुड़े लोगों का अपने परिवार को समय देना और उन्हें अच्छे संस्कार देना भी आवश्यक है। अच्छे संस्कारों के अभाव में अगली पीढ़ी द्वारा यश प्रभावित करने की संभावना बनी रहती है। जनप्रतिनिधियों को इस ओर से विशेष रूप से संवेदनशील और सतर्क रहना चाहिए।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में युवा जनप्रतिनिधियों की अहम जिम्मेदारी

मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने में युवाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र किसी एक व्यक्ति, समुदाय या क्षेत्र की व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिकों की स्वतंत्रता, न्याय, समानता और बंधुता पर आधारित एक व्यापक व्यवस्था है। भारत का लोकतंत्र नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ही मजबूत होता है। उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के 25 नवंबर 1949 के संविधान सभा के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे लागू करने वाले लोग कितने प्रतिबद्ध और नैतिक हैं।

श्री तोमर ने कहा कि युवा विधायक लोकतंत्र में नागरिकों और शासन के बीच सेतु की भूमिका निभाते हैं। उनकी नई ऊर्जा, आधुनिक सोच और नवाचार की क्षमता शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक बदलाव ला सकती है। उन्होंने कहा कि युवा जनप्रतिनिधि सामाजिक कुरीतियों जैसे जातिवाद, नशाखोरी और लैंगिक भेदभाव के विरुद्ध समाज को जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उस सोच का उल्लेख किया जिसमें राजनीति में नई ऊर्जा और पारदर्शिता लाने के लिए बड़ी संख्या में युवाओं को राजनीति में आने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने के लिए चुनाव कानून (संशोधन) अधिनियम 2021 के माध्यम से मतदाता पंजीयन की प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाया गया है।

श्री तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा ने भी लोकतांत्रिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। पहली बार निर्वाचित विधायकों की शून्यकाल सूचनाओं को प्राथमिकता देने तथा प्रश्नकाल से जुड़े उत्तरों की व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने जैसे कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाए गए हैं। उन्होंने युवा विधायकों से आह्वान किया कि वे संसदीय परंपराओं, नियमों और प्रक्रियाओं का गंभीर अध्ययन करें, सदन की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा वरिष्ठ सदस्यों से मार्गदर्शन लेकर अपने ज्ञान और अनुभव को समृद्ध बनाएं। उन्होंने कहा कि अतीत के अनुभव और भविष्य की योजनाओं के बीच वर्तमान का सशक्त पुल युवा नेतृत्व ही बन सकता है।

विधानसभा अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि युवा विधायक सम्मेलन में होने वाले विचार-विमर्श और संवाद लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करेंगे तथा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान करेंगे।

जनता और शासन के बीच सेतु बने विधायक ः श्री वासुदेव देवनानी

अध्यक्ष राजस्थान विधानसभा, श्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का मुख्य दायित्व जनता और शासन के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है जब जनता, विधायिका और शासन की प्रक्रियाओं के बीच पारदर्शिता और सहभागिता बढ़े। उन्होंने कहा कि विधायक केवल चुनाव जीतने तक सीमित न रहें, बल्कि अपने अध्ययन, चिंतन और जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के माध्यम से समाज के विकास में सक्रिय योगदान दें। एक प्रभावी विधायक वही है जो सदन की कार्यवाही में सक्रिय रूप से भाग ले, प्रश्न पूछे, मुद्दों पर तैयारी के साथ चर्चा करे और जनता से जुड़े विषयों को गंभीरता से उठाए।

श्री देवनानी ने कहा कि विधानसभा केवल कानून बनाने का मंच नहीं है, बल्कि यह जनता की आकांक्षाओं और समस्याओं को सामने लाने का सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक मंच है। इसलिए आवश्यक है कि विधायकों में अध्ययन की प्रवृत्ति विकसित हो और वे संसद एवं विधानसभा की परंपराओं और प्रक्रियाओं की गहन समझ रखें। उन्होंने भ्रष्टाचार और सार्वजनिक संसाधनों के न्यायपूर्ण उपयोग की आवश्यकता पर भी बल देते हुए कहा कि शासन व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता तभी बढ़ेगी जब जनप्रतिनिधि ईमानदारी और नैतिकता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे।

अध्यक्ष श्री देवनानी ने युवाओं की भूमिका पर भी विशेष बल दिया और कहा कि देश के विकास में युवा शक्ति की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। भारत का वास्तविक विकास तभी संभव है जब समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास के लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब समावेशी विकास सुनिश्चित किया जाए और समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर प्राप्त हों। उन्होंने युवा जनप्रतिनिधियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे निरंतर अध्ययन, अनुभव और संवाद के माध्यम से स्वयं को सशक्त बनाएं तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और परंपराओं को और मजबूत करें।

प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रजातंत्र जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए शासन है। अतः लोकतंत्र के सशक्त होने के लिए जनप्रतिनिधि का सशक्त होना आवश्यक है। विधायक होना बहुत महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है, विधायक बड़ी जनसंख्या की आशाओं, आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनकी दुख, तकलीफों, अपेक्षाओं को वाणी प्रदान करते हैं। विधायकगण अपने विधानसभा क्षेत्र का प्रबंधन कैसे करते हैं, यह बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवा विधायकों को संयत व्यवहार रखने, जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए उनके निराकरण की ठोस कोशिश करने, कार्यालय प्रबंधन के लिए संवेदनशील और सक्रिय स्टाफ रखने, अद्यतन डिजिटल तकनीकों के उपयोग में समय के साथ चलने की सलाह दी। सस्ती लोकप्रियता के लिए की गई गतिविधियां दीर्घकालिक दृष्टि से लाभकारी नहीं होती हैं।

|| संपादकीय ||

वैश्विक संकट के दौर में वैश्विक पर्यटन उद्योग

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में दुनिया का पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 152 करोड़ पर्यटकों से गुलजार रहने वाला वैश्विक पर्यटन उद्योग के वैश्विक हालातों के चलते वर्तमान हालातों में मंदी से भी अतिमंदी के दौर से गुजरने की संभावना से नहीं नकारा जा सकता। वैसे तो सभी देशों में पर्यटन उद्योग पर विपरीत असर पड़ने जा रहा है पर सबसे अधिक असर मध्यपूर्व के देशों में देखा जा सकता है। जानकारों के अनुसार अकेले मध्यपूर्व को ही 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान भुगतना पड़ सकता है। दुनिया में सबसे अधिक पर्यटक फ्रांस की धरती पर जाते है और माना जाता है कि 9 से 10 करोड़ पर्यटक तो फ्रांस का रुख करते हैं। जहां तक भारत का प्रश्न है हमारे यहां भी लगभग 2 करोड़ विदेशी पर्यटक देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों का रुख करते हैं। पर युद्ध के वैश्विक हालातों के चलते विश्व के अन्य देशों की तरह से भारत के भी विदेशी पर्यटकों की आवाही पर विपरीत प्रभाव पड़ना ही है। एक सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत और दुनिया के देशों में देशी पर्यटकों की संख्या में उछाल के चलते इस उद्योग को संजीवनी अवश्य मिलती लगती है।

वर्तमान दौर में दुनिया के चौधरी बने देशों को यह समझ लेना चाहिए कि अब वह जमाना गया जब हफ्ते दो हफ्ते में युद्ध का फैसला हो जाया करता था। आज छोटा से छोटा देश भी युद्ध को लंबा खींचने की कुब्बत रखता है। इसे हम रुस यूक्रेन युद्ध से अच्छी तरह से समझ सकते हैं। अमेरिका ने भी जब ईरान पर आक्रमण किया तो ट्रंप का कायास यही था कि दो चार दिन में ईरान के घुटने टिकवा देंगे पर ट्रंप और नेतन्याहू के सारे कयास धरे के धरे रह गए और इनके चक्कर में दुनिया अस्थिरता और वैश्विक संकट में और आ गई। आज हालात यह हो गए हैं कि युद्ध तो आप शुरु कर सकते हो पर युद्ध शुरु होने के बाद कब बंद होगा यह आपके हाथ में नहीं रहेगा। युद्ध के चलते अब हालात ऐसे हो गए है कि चाह कर भी पर्यटक घूमने का रुख नहीं कर पा रहे हैं। केवल और केवल ट्रंप के दादागिरी पूर्ण रवैये के चलते दुनिया की देशों की जीडीपी में करीब 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी निभाने वाला पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। होटल और ट्रेवल उद्योग से जुड़ी एजेंसियां के सामने बड़ा संकट आ गया है तो दुनिया के देशों और संस्कृतियों से जुड़ने और समझ कर एक दूसरे के नजदीक आने की जो पहल पर्यटन उद्योग के चलते हुई थी उस पर लगभग विराम के से हालात होते जा रहे हैं। 10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का पर्यटन उद्योग आज संकट के दौर में आ गया है। उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो थाईलैंड की अर्थव्यवस्था में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी पर्यटन उद्योग की है और वह लगातार दूसरे साल गंभीर संकट के दौर में आ गई है। जैसे तैसे पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हजार डॉलर प्रतिदिन के लग्जरी कमरों की कीमत घटकर 300 डॉलर तक कर देने के बाद भी पर्यटक रुख नहीं कर रहे हैं। हालात विकट से विकटतर होते जा रहे हैं।

दरअसल वैश्विक हालातों के चलते एक और उड़ाने रद्द होती जा रही है तो युद्ध के चलते लोगों में असुरक्षा की भावना होती जा रही है। पता नहीं कब कहां क्या हो जाए और कहीं जाएं वहीं पर बंद होकर के रह जाएं। इस तरह की आशंकाओं से भी दो चार हो रहे हैं। मध्यपूर्व के देशों में तो लगभग यही हालात है। कब किस देश और किस स्थान पर मिसाइल अटैक हो जाएं कहा नहीं जा सकता। क्योंकि अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध की खास नकारात्मक बात यह है कि इन दो देशों पर मिसाइल अटैक नहीं हो रहे बल्कि इनसे थोड़ी सी भी सहानुभूति रखने वाले देष कब निशाने पर आ जाएं कहा नहीं जा सकता। मध्यपूर्व में मिसाइल अटैक और हार्मुज जलडमरुमध्य के हालात इसके उदाहरण है। हालात तो यहां तक खराब होने की संभावना से इंकार नहीं करते कि मध्यपूर्व के देषों में तो पानी का गंभीर संकट तो हो सकता है। आज कच्चा तेल, एलपीजी की ही समस्या नहीं अपितु दुनिया को जोड़ने वाले इंटरनेट के बाधित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। लगता है एक दूसरे के अहम् के चलते आमआदमी कहीं हाशिये में चला गया है। युद्ध के सामान्य नियम भी ताक में रख दिए गए हैं और आमनागरिकों, बच्चों, अस्पतालों, घनी आबादी इलाकों में भी मिसाइल दागने से कोई परहेज नहीं रह गया है।

कोरोना के दौरान जिस तरह से पर्यटन उद्योग प्रभावित हुआ था आज उसी तरह के हालात बनते दिख रहे हैं। कोरोना के बाद पिछले सालों में पर्यटन उद्योग ने तेजी पकड़ी थी और लगने लगा था कि 2030 तक पर्यटन उद्योग को जबरदस्त बूस्ट मिलेगा पर अब हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं और लगता नहीं है कि आने वाले दिनों में कोई सुधार दिखाई देगा। हांलाकि एक सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत सहित विश्व के देशों में देशी पर्यटन को अवष्य बढावा मिलने लगा है। लोग अपने ही देश में आसपास के स्थानों को एक्सप्लोर करने लगे हैं। खैर वर्तमान हालात पर्यटन उद्योग के लिए बेहद चुनौती भरे हो गए हैं और सामान्य हालात होने के अभी तो दूर दूर तक आसार ही नहीं दिख रहे हैं।

नक्सलवाद मुक्त भारत की डेडलाइन पूरी, ख्वाब अधूरी, अब अर्बन नक्सलियों पर नजर!

> आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में नक्सली गतिविधियाँ बनी हुई हैं। फरवरी 2026 तक नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या घटकर 6-7 रह गई थी, मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र (बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर) में। वहीं, मार्च 2026 के अंत में सुकमा में नक्सली मुठभेड़ हुई, जहाँ एक नक्सली मारा गया।

देश के 'पीएम इन वेटिंग' और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों और आतंकवादियों की कमर तोड़ने में अभूतपूर्व और उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि भारत अभी पूरी तरह नक्सलवाद और आतंकवाद मुक्त हुआ है। हां, सरकार की कोशिशें सराहनीय हैं। यदि शाह अपने नेक मकसद में कामयाब हुए तो प्रधानमंत्री पद की उनकी दावेदारी और पुख्ता हो जाएगी, क्योंकि उन्होंने मनमाफिक राष्ट्रीय टीम पहले से ही बना रखी है।

यह ठीक है कि सरकार ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने का लक्ष्य रखा था, और आतंकवाद समाप्ति को लेकर ऐसा कोई दुरूह लक्ष्य घोषित नहीं किया गया था और कड़ी कार्रवाई गतिमान है, लेकिन पूरे देश की बात छोड़ दी जाए तो खुद दिल्ली-एनसीआर से ब्रेक के बाद सामने आने वाले मामले इस बात की चुगली कर रहे हैं कि उद्देश्यपूर्ति काफी जटिल है।

ऐसा इसलिए कि नक्सलियों और आतंकवादियों को बौद्धिक और आर्थिक खुराक देने वाली जमात राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक हलकों में सक्रिय हैं! प्रशासनिक गलियारों तक में इनकी जातिवादी और सांप्रदायिक पैठ है।जबतक इनकी शिनाख्त और गिरफ्तारी नहीं होती, उद्देश्य अधूरा रहेगा। संभव हो कुछ तत्व सत्ताधारी दल से भी डायरेक्ट या भाया मीडिया सम्बन्धित हों।

आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में नक्सली गतिविधियाँ बनी हुई हैं। फरवरी 2026 तक नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या घटकर 6-7 रह गई थी, मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र (बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर) में। वहीं, मार्च 2026 के अंत में सुकमा में नक्सली मुठभेड़ हुई, जहाँ एक नक्सली मारा गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कहा कि नक्सलवाद लगभग समाप्ति की कगार पर है, लेकिन औपचारिक घोषणा प्रक्रिया पूरी होने पर होगी। सरकारी दावा करते हुए अमित शाह ने 30 मार्च 2026 को लोकसभा में कहा कि 'देश नक्सल मुक्त हो चुका है' और 'नक्सलवाद विलुप्ति की ओर है।' 31 मार्च 2026 की डेडलाइन के ठीक पहले भी ऑपरेशन चल रहे थे, जिसमें सैकड़ों नक्सली मारे गए या आत्मसमर्पण कर चुके हैं। फिर भी, बस्तर जैसे क्षेत्रों में सीमित गतिविधियाँ जारी हैं।

प्रगति के आंकड़े बताते हैं कि नक्सल प्रभावित जिले 126 (2010) से घटकर 6-7 (2026) पर पहुंच गए और ज्यादातर नक्सली मारे गए। 700+ तो हाल के वर्षों में।वहीं, आत्मसमर्पण करने वाले 4,800+ नक्सली दूसरे धंधों में जुड़ चुके हैं। बहरहाल, नक्सलवाद बहुत कमजोर हो चुका है, लेकिन पूर्ण मुक्ति की घोषणा अभी बाकी है। भारत में नक्सल प्रभावित 6 जिलों की स्थिति काफी संवेदनशील बनी हुई है, जहाँ सुरक्षा बल लगातार अभियान चला रहे हैं। ये जिले मुख्यतः छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में केंद्रित हैं।

वहीं, सबसे अधिक प्रभावित जिले निम्नलिखित 6 जिले हैं, जिनके नाम छत्तीसगढ़ (बीजापुर, कांकेर/नारायणपुर, नारायणपुर, सुकमा), झारखंड (पश्चिमी सिंहभूम), और महाराष्ट्र (गढ़चिरौली) हैं। इनमें नक्सली गतिविधियाँ सीमित लेकिन सक्रिय हैं, जैसे छिपे हुए कैंप और छोटे हमले। सुरक्षा बलों ने हाल के ऑपरेशनों से इन क्षेत्रों में घुसपैठ बढ़ाई है।

जहां तक वर्तमान अभियान की बात है तो छत्तीसगढ़ के सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और गरियाबंद (कभी-कभी सूचीबद्ध) में हाई-अलर्ट सर्च ऑपरेशन चल रहे हैं। सरकार ने अंतिम बड़े अभियान की तैयारी की है, जिसमें आत्मसमर्पण और मुठभेड़ों पर जोर है। मार्च 2026 तक हिंसा में भारी कमी आई, लेकिन पूर्ण नियंत्रण बाकी है।वहीं प्रगति संकेत यह है कि नक्सली संख्या घटी, सैकड़ों आत्मसमर्पण हुए। विकास परियोजनाएँ शुरू हुईं, जैसे सड़कें और स्कूल।

फिर भी, जंगलों में छिटपुट गतिविधियाँ जारी हैं। लिहाजा, 31 मार्च 2026 की डेडलाइन के बाद भी इन जिलों पर फोकस रहेगा। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने नक्सल प्रभावित 6 जिलों (मुख्यतः छत्तीसगढ़ के बीजापुर, कांकेर/नारायणपुर, सुकमा, झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम, महाराष्ट्र का गढ़चिरोली) को नक्सल मुक्त करने के लिए बहुआया रणनीति अपनाई है। यह योजना 31 मार्च 2026 तक पूर्ण मुक्ति का लक्ष्य रखती है, जिसमें सुरक्षा अभियान, आत्मसमर्पण नीति और विकास पर जोर है। सुरक्षा अभियान भी जारी है।

सुरक्षा बलों ने इन जिलों में सघन सर्च ऑपरेशन तेज कर दिए हैं, जैसे कुर्रेगुट्टालू पहाड़ मॉडल पर आधारित लंबे अभियान। नक्सलियों के सहयोगी नेटवर्क (एड नेटवर्क) को निशाना बनाया जा रहा है, साथ ही 576 मजबूत पुलिस स्टेशन और 336 नए कैंप स्थापित किए गए। मुठभेड़ों और घेराबंदी से नक्सली कमांडरों को खत्म करने पर फोकस है।

वहीं नक्सलियों के आत्मसमर्पण और पुनर्वास पर बल दिया गया है। नक्सलियों के आत्मसमर्पण को प्रोत्साहित करने के लिए उदार नीति लागू है, जिसमें वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और रोजगार दिया जाता है। हाल के वर्षों में हजारों नक्सली सरेंडर कर चुके हैं। पकड़े गए या आत्मसमर्पित नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने के लिए कौशल विकास केंद्र खोले जा रहे हैं। विकास पहल तेज है। इन जिलों में 137 केंद्र योजनाओं का तेज वितरण, सड़कें, स्कूल, अस्पताल और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित हो रहे। एसआरई योजना के तहत क्षमता निर्माण जारी रहेगा ताकि नक्सलवाद न लौटे। 10-सूत्री योजना में वित्तीय सहायता प्रणाली तोड़ना और स्थानीय विकास शामिल है।

फिर भी अपेक्षित परिणाम की उम्मीद पूरी होनी अभी बाकी है। सरकार ने ठीक ही कहा है कि 31 मार्च 2026 के बाद 'अर्बन नक्सल' पर नजर रखी जाएगी। ये प्रयास नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने के करीब हैं, लेकिन जंगलों में छिटपुट चुनौतियाँ बाकी हैं। रही गई बात आतंकवाद की तो इसे पर्दे के पीछे से धर्म और डिप्लोमैट बढ़ावा दे रहे हैं, इसलिए इनसे निबटने में अभी वक्त लगेगा।

- कमलेश पांडेय

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत में 'तेल आपातकाल' नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद और विमर्श किया। यह हमारे लोकतंत्र का संघीय चरित्र है। प्रधानमंत्री ने ईरान युद्ध से उपजे पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि वैश्विक हालात पर चर्चा की होगी। ऐसे ही संघीय संवाद कोरोना महामारी के दौरान भी किए गए थे। तब एक खास किस्म का विषैला, जानलेवा संक्रमण दुनिया भर में फैला था। भारत में लॉकडाउन के साथ-साथ कई सख्त कदम भी उठाए गए थे। हमारी अर्थव्यवस्था नकारात्मक हो गई थी। बेहद भयावह माहौल और हालात थे। बहरहाल आज वैसे हालात नहीं हैं। तेल-गैस, उर्वरक आदि की आपूर्ति अवरुद्ध हुई है, लिहाजा किल्लत महसूस हो रही है। कुछ संकट का दौर तो है। अफवाहों और दुष्प्रचार की 'काली भेड़ों' ने लॉकडाउन की फर्जी खबरें चलाना भी शुरू कर दिया है। मीडिया के एक वर्ग में यह विश्लेषण भी छापा गया कि देश में तेल-गैस का स्टॉक मात्र 7-9 दिन का है। शायद उसी से आम आदमी घबराया है और पेट्रोल पंपों पर जन-सैलाब की स्थितियां हैं। मारा-पीटी भी हुई है। पुलिस पर भी प्रहार किया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने हकीकत का खुलासा किया है कि देश में पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस (एलपीजी) का 60 दिन का स्टॉक सुरक्षित है। अगले 60 दिन के कच्चे तेल की बुकिंग सरकार ने कर ली है। करीब 8 लाख टन एलपीजी कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं। वे रूस, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया आदि कई देशों से आ रहे हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, रूस आदि देशों से कच्चा तेल आ रहा है। यह आपूर्ति 60 दिन के लिए सुनिश्चित कर ली गई है। देश के एक लाख पेट्रोल पंपों में से एक पर भी पेट्रोल-डीजल खत्म नहीं हुए हैं। लगातार सप्लाई जारी है। देश में करीब 3.3 करोड़ मीट्रिक टन एलपीजी की सालाना खपत होती है और हमारी रिफाइनरियां हररोज औसतन 50,000 टन एलपीजी का उत्पादन कर रही हैं।

उत्पादन 40 फीसदी बढ़ाया गया है। यदि जमाखोर, कालाबाजारी, मुनाफाखोर, चोर-लुटेरे, देश-विरोधी लोग सरकार के इस खुलासे से आश्वस्त नहीं हैं, तो देश में दूसरा कौनसा वैकल्पिक माध्यम है, जो तेल-गैस की अपडेट वस्तुस्थिति देश को बता सके? आप सरकार-विरोधी, प्रधानमंत्री-विरोधी, नीति-विरोधी हो सकते हैं, लेकिन राजनीतिक दुराग्रह भारत-विरोध की हद तक नहीं पहुंचना चाहिए। संकट, आपदा और तात्कालिक धक्का आदि समानार्थी शब्द लगते हैं, लेकिन ये अलग-अलग स्थितियों को बयां करते हैं। अमरीका और इजरायल ने ईरान पर युद्ध की शुरुआत की और ईरान ने पलटवार में खाड़ी देशों के तेल-गैस ठिकानों को तबाह किया। 17 अमरीकी बेस भी मिट्टी-मलबा कर दिए। नतीजतन आज एशिया, यूरोप, अफ्रीका, ग्लोबल साउथ के 113 देश प्रभावित हो रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, वियतनाम, कंबोडिया, म्यांमार, फिलीपींस, स्लोवाकिया, कनाडा, थाईलैंड, नाइजीरिया, लाओस, जर्मनी, फ्रांस सरीखे देशों में आपातकाल, कार-फ्री डे, पेट्रोल पंप तालाबंदी, राशनिंग और ऑड-ईवन आदि के हालात बने हैं। जापान जैसे विकसित देश को अपना रिजर्व तेल जारी करना पड़ा है। दुनिया में 140 अरब टन एलपीजी की कमी बताई जा रही है। कच्चे तेल का संकट अलग है। अमरीका में भी पेट्रोल-डीजल के दाम 22 फीसदी उछल गए हैं। कमोबेश भारत में अभी आपातकाल की स्थिति नहीं है। आम आदमी के लिए सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम भी महंगे नहीं किए हैं। मोदी ने इन्हीं बिंदुओं के आसपास मुख्यमंत्रियों से बात की होगी।

टेक्नोलॉजी

लैपटॉप चार्ज करते ज्यादातर लोग करते हैं ये 5 गलतियां! संभल जाएं नहीं तो खराब हो जाएगा आपका डिवाइस

लैपटॉप चार्ज करना देखने में भले ही साधारण काम लगे लेकिन इसमें की गई छोटी-छोटी लापरवाहियां आपके डिवाइस को नुकसान पहुंचा सकती हैं. गलत तरीके से चार्जिंग करने पर बैटरी जल्दी खराब हो सकती है और कई बार यह सुरक्षा के लिहाज से भी जोखिम भरा बन जाता है. इसलिए कुछ आदतों को समय रहते बदलना जरूरी है.

चार्जिंग के दौरान भारी काम करना सही नहीं - अक्सर लोग लैपटॉप चार्ज करते वक्त गेम खेलते हैं या वीडियो एडिटिंग जैसे भारी काम करते रहते हैं. ऐसा करने से प्रोसेसर और बैटरी दोनों पर ज्यादा दबाव पड़ता है और डिवाइस तेजी से गर्म होने लगता है. बेहतर है कि चार्जिंग के दौरान हल्के काम करें या लैपटॉप को आराम दें ताकि सिस्टम पर अनावश्यक तनाव न पड़े.

मुलायम जगह पर लैपटॉप रखना खतरनाक - बिस्तर, तकिया या सोफे पर लैपटॉप रखकर चार्ज करना एक आम गलती है. इससे लैपटॉप के वेंट्स बंद हो जाते हैं और गर्मी बाहर नहीं निकल पाती. लगातार ऐसा होने पर अंदर के महत्वपूर्ण पार्ट्स जैसे मदरबोर्ड को नुकसान हो सकता है.

हमेशा लैपटॉप को किसी सख्त और समतल सतह पर ही रखें.

पूरी रात चार्जिंग पर न छोड़ें डिवाइस - आजकल के लैपटॉप में ओवरचार्जिंग से बचाव की सुविधा होती है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप रात में उसे प्लग में लगाए रखें. लगातार 100% चार्ज पर रखने से बैटरी की क्षमता धीरे-धीरे कम होती जाती है. कोशिश करें कि बैटरी 80-90% तक पहुंचते ही चार्जर हटा दें.

सस्ते या नकली चार्जर से दूरी रखें - कई लोग पैसे बचाने के चक्कर में सस्ते या अनजान ब्रांड के चार्जर इस्तेमाल करने लगते हैं. ऐसे चार्जर सही वोल्टेज और करंट नहीं देते जिससे बैटरी या लैपटॉप के अन्य हिस्से खराब हो सकते हैं. हमेशा ओरिजिनल या प्रमाणित चार्जर का ही इस्तेमाल करें.

ज्यादा गर्म होना खतरे की घंटी - अगर चार्जिंग के दौरान आपका लैपटॉप जरूरत से ज्यादा गर्म हो रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें. यह बैटरी और हार्डवेयर दोनों के लिए नुकसानदायक हो सकता है. ऐसी स्थिति में लैपटॉप को अच्छी वेंटिलेशन वाली जगह पर रखें और जरूरत हो तो कूलिंग पैड का इस्तेमाल करें.

लैपटॉप की देखभाल क्यों जरूरी है? - लैपटॉप की मरम्मत या बैटरी बदलवाना काफी महंगा पड़ सकता है. इतना ही नहीं, गलत चार्जिंग आदतें कभी-कभी गंभीर हादसों का कारण भी बन सकती हैं. अगर आप कुछ आसान सावधानियां अपनाते हैं तो न सिर्फ आपका लैपटॉप लंबे समय तक सही चलेगा बल्कि आप किसी भी संभावित खतरे से भी बचे रहेंगे.

जनरल नॉलेज

दूसरे धर्म का है पार्टनर तो क्या परेशान कर सकते हैं घरवाले, जानें क्या कहता है कानून?

प्यार और पसंद की आजादी किसी भी लोकतंत्र की पहचान होती है, लेकिन भारत जैसे पारंपरिक समाज में जब दो अलग-अलग धर्मों के लोग एक साथ रहने का फैसला करते हैं, तो अक्सर उन्हें अपनों के ही विरोध का सामना करना पड़ता है. ऐसे मामलों में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या घरवालों के पास यह अधिकार है कि वे बालिग बच्चों की निजी जिंदगी में दखल दें? हाल ही में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मुद्दे पर एक बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए साफ कर दिया है कि कानून की नजर में अंतरधार्मिक लिव-इन रिलेशनशिप कोई अपराध नहीं है. चलिए इस पर कानून जानें.

इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी - इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट किया है कि भारत का संविधान हर नागरिक को अपनी मर्जी से जीवन जीने का अधिकार देता है. कोर्ट ने कहा कि जब दो व्यक्ति बालिग हो जाते हैं, तो वे अपनी पसंद के किसी भी व्यक्ति के साथ रहने के लिए स्वतंत्र हैं. जस्टिस विवेक कुमार सिंह की बेंच ने साफ तौर पर कहा कि संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 के तहत अंतरधार्मिक जोड़ों का लिव-इन में रहना किसी भी कानून के तहत दंडनीय या प्रतिबंधित नहीं है. कानून इसे अपराध की श्रेणी में नहीं रखता है.

धर्म से ऊपर है व्यक्तिगत स्वतंत्रता - हाईकोर्ट ने इस मामले में बहुत गहरी बात कही है. अदालत ने कहा कि वह याचिकाकर्ताओं को हिंदू या मुस्लिम के चश्मे से नहीं देखती, बल्कि उन्हें दो ऐसे बालिग व्यक्तियों के रूप में देखती है जो अपनी स्वतंत्र इच्छा से एक साथ रह रहे हैं. कोर्ट ने जोर देकर कहा कि किसी व्यक्ति का अपनी पसंद के साथी के साथ रहना, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो, संविधान द्वारा दिए गए जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार (अनुच्छेद 21) का अटूट हिस्सा है. इस अधिकार में धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता है.

अंतरधार्मिक रिलेशनिप में अनुच्छेद 14, 15 और 21 की भूमिका - कोर्ट ने अपने फैसले में संविधान के तीन प्रमुख अनुच्छेदों का जिक्र किया. अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता की बात करता है, अनुच्छेद 15 धर्म, जाति या लिंग के आधार पर भेदभाव को रोकता है, और अनुच्छेद 21 गरिमा के साथ जीने का अधिकार देता है. इलाहाबाद हाईकोर्ट के अनुसार, इन अधिकारों के होते हुए किसी भी अंतरधार्मिक जोड़े को उनके लिव-इन रिलेशनशिप की वजह से प्रताड़ित नहीं किया जा सकता है. साल 2021 के अधिनियमों को ध्यान में रखते हुए भी इसे कहीं से भी गैर-कानूनी नहीं ठहराया जा सकता है.

हाईकोर्ट का यह फैसला उन परिवारों के लिए एक कड़ा संदेश है जो अंतरधार्मिक संबंधों का हिंसक विरोध करते हैं. कोर्ट ने साफ कर दिया कि केवल धर्म अलग होने की वजह से किसी नागरिक को उसके मौलिक अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता है. जाति, संप्रदाय या लिंग के आधार पर भेदभाव करना संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है. अगर कोई जोड़ा शांतिपूर्वक एक साथ रहना चाहता है,

ब्रीफ न्यूज

आप सेक्स के बारे में भी बात कर सकते हैं, ट्रंप के इतना कहते ही सभागार हंसी से गूंजा

वाशिंगटन। ईरान के साथ जारी संघर्ष के बीच दुनिया की निगाहें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों पर टिकी रहती हैं। वह रोज नए-नए दावे करते हैं। शुक्रवार को जब वह पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे तब उन्होंने ऐसा कुछ कहा कि पूरा सभागार में हंसी के ठहाके से गूंज उठा। हालांकि उनके आलोचक इसकी आलोचना कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप के प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक वीडियो वायरल हो रहा हैं। इसमें ट्रंप बोल रहे हैं, अब मैं कुछ सवाल लूंगा। आप मुझसे कुछ भी पूछ सकते हैं। आप सेक्स के बारे में भी मेरे से बात कर सकते हैं। मैं उन नेताओं जैसा नहीं हूं जो सवालों से बचते हैं। ट्रंप के इतना कहते ही सभागार में हंसी गूंज उठी। ट्रंप ने समिट को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उन्हें एक महान शांतिदूत के तौर पर याद किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने कई लंबे समय से चले आ रहे संघर्षों को सुलझाने के अपने दावों पर भी जोर दिया। अपनी विरासत के बारे में पूछे गए सवाल पर ट्रंप ने कहा कि अच्छा, मैं आपको बताता हूं। मैंने आपको बताया था कि मैंने आठ युद्धों को सुलझाया है। इसका मतलब है कि लाखों-करोड़ों लोगों को बचाया। इनमें से कुछ युद्ध तो बहुत लंबे समय से चल रहे थे। एक 34 साल से, एक 32 साल से, एक 29 साल से और एक 22 साल से। ये बहुत लंबे समय तक चलने वाले युद्ध थे और हर साल इनमें बहुत से लोग मारे जा रहे थे। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों से संघर्ष वाले इलाकों में लोगों की जान बचाने में मदद मिली।

होर्मुज को लेकर क्या करेगा अमेरिका? ट्रंप की फिसली जुबान और खुल गया सारा प्लान!

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मियामी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अपनी चिरपरिचित शैली में वैश्विक राजनीति और युद्ध के हालातों पर टिप्पणी की है। शुक्रवार शाम को सऊदी अरब के सॉवरेन वेल्थ फंड द्वारा प्रायोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप ने रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट को मजाकिया लहजे में स्ट्रेट ऑफ ट्रंप कह दिया। उनके इस बयान पर पूरा हॉल ठहाकों से गूंज उठा। ट्रंप ने व्यंग्य करते हुए कहा कि यदि बातचीत सफल होती है तो यह बहुत अच्छा होगा, लेकिन उन्हें स्ट्रेट ऑफ ट्रंप यानी होर्मुज को खोलना ही होगा। इसके तुरंत बाद उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि फेक न्यूज वाले इसे उनकी गलती बताएंगे, जबकि उनके साथ ऐसी गलतियां अक्सर नहीं होतीं। इस संबोधन के दौरान ट्रंप ने ईरान के खिलाफ जारी युद्ध में अमेरिकी सेना की उपलब्धियों का जमकर बखान किया। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका अब मध्य पूर्व में एक ऐसे नए युग की ओर बढ़ रहा है जो ईरानी आतंक और परमाणु ब्लैकमेल से पूरी तरह मुक्त होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत अमेरिकी सेना ने ईरान की क्षमताओं को कुचल दिया है। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या का जिक्र करते हुए जोर दिया कि ईरान की अधिकांश लीडरशिप अब खत्म हो चुकी है और दशकों तक क्षेत्र में दबदबा बनाने वाला यह देश अब पहले जैसा प्रभावी नहीं रहा।

यह साइक्लोन नरेल का असर, तेज हवाओं ने लोगों घर में रहने को किया मजबूर

ऑस्ट्रेलिया में खून से लाल हुआ आसमान, डरावना मंजर देख लोग हुए हैरान

एजेंसी ■ कैनबरा

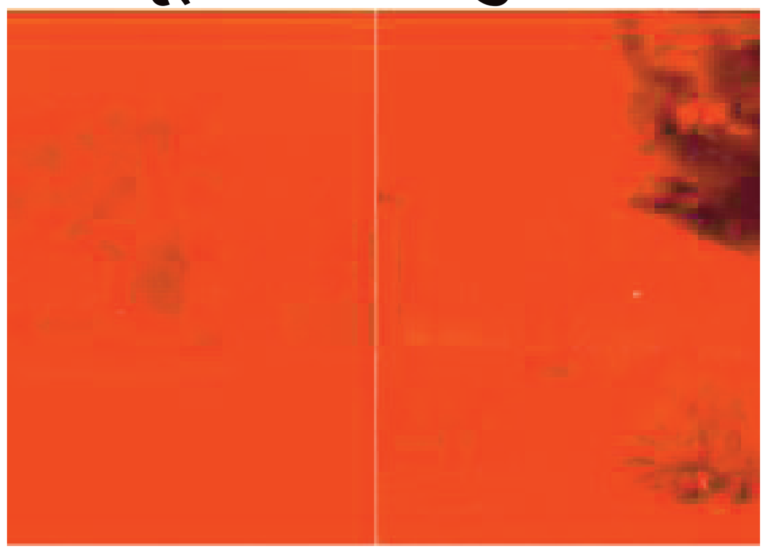

ऑस्ट्रेलिया के वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में 28 मार्च को ऐसा नजारा देख लोग हैरान रह गए। दरअसल दिन में अचानक आसमान गहरे लाल रंग में बदल गया। शार्क बे और डेनहम जैसे इलाकों में चारों तरफ लाल धूल की चादर छा गई, जिससे सड़कें, घर और समुद्र का किनारा तक लाल नजर आने लगा। इस अजीब और डरावने नजारे के पीछे वजह बना ट्रॉपिकल साइक्लोन नरेल। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, तेज हवाओं ने रेगिस्तानी इलाके की आयरन-रिच लाल मिट्टी को हवा में उड़ा दिया जैसे ही यह धूल आसमान में फैली, सूरज की रोशनी उसके बीच से गुजरते हुए स्कैटर हुई और पूरा आसमान खून जैसा लाल दिखने लगा।

रिपोर्ट के मुताबिक 27 मार्च को साइक्लोन नरेल वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के नॉर्थ-वेस्ट कोस्ट पर पहुंचा। हवाओं की रफ्तार 250 किमी प्रति घंटा तक दर्ज की गई। तेज हवाओं के चलते विजिबिलिटी करीब शून्य हो गई और लोग घरों के अंदर रहने को मजबूर हो गए। स्थानीय लोगों ने इस मंजर को इनक्रेडिबली ईरी और अपोकैलिप्टिक बताया। शार्क बे कैरावन पार्क ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बाहर का माहौल बेहद अजीब और डरावना है, हर चीज धूल से ढक गई और लाल हो गई।

रिपोर्ट के मुताबिक साइक्लोन का सबसे ज्यादा असर एक्समाउथ शहर में दिखा। एयरपोर्ट को भारी नुकसान पहुंचा। हजारों घरों की बिजली गुल हो गई। कई घरों की छतें उड़ गईं। गई नाव डूब गईं। इसके अलावा शेवरॉन, वुडसाइड और सैंटोस जैसे बड़े गैस प्लांट भी प्रभावित हुए, जिससे ऊर्जा उत्पादन पर असर पड़ा। हालांकि बाद में साइक्लोन को ट्रॉपिकल लो में डाउनग्रेड कर दिया गया, लेकिन भारी बारिश और बाढ़ का खतरा अभी भी बना हुआ है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस इलाके की मिट्टी में आयरन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा होती है। साइक्लोन की तेज हवाओं ने इस लाल धूल को ऊंचाई तक पहुंचा दिया। जब सूरज की रोशनी इस धूल से टकराई, तो पूरा आसमान लाल नजर आने लगा। इसे एक दुर्लभ लेकिन प्राकृतिक घटना माना जा रहा है। नासा की सैटेलाइट तस्वीरों में भी साइक्लोन नरेल का पूरा ट्रैक साफ देखा गया।

इस घटना को यूजर्स ने बेहद डरावना बताया। कुछ लोगों ने लिखा कि 2026 सच में किसी फिल्म जैसा लग रहा है किसी ने इसे एंड टाइम्स वाइब्स बताया। वहीं किसी ने कहा कि क्या ये कोई संकेत है? हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह पूरी तरह प्राकृतिक घटना है, लेकिन इसकी तीव्रता और पैटर्न पर क्लाइमेट चेंज का असर हो सकता है। क्लाइमेट वैज्ञानिक मानते हैं कि ग्लोबल हीटिंग की वजह से साइक्लोन पहले से ज्यादा ताकतवर और अनोखे रास्तों पर चल रहे हैं। साइक्लोन नरेल का तीन अलग-अलग क्षेत्रों से गुजरना भी इसी बदलते पैटर्न की ओर इशारा करता है।

ईरान ने अपनाया सद्दाम मॉडल, दशकों तक अपने दुश्मनों से है लड़ने की तैयारी

सेना में भर्ती की न्यूनतम उम्र घटाकर 12 साल की, कई देशों ने जताई आपत्ति

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट ने वैश्विक स्तर पर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। यह लंबे समय तक चलने वाले टकराव का रूप ले सकता है। अमेरिका और इजराइल द्वारा तेहरान पर किए गए हमले के बाद यह अनुमान लगाया जा रहा था कि ईरान झुक जाएगा, लेकिन ईरान की रणनीतिक तैयारी और होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसकी पकड़ ने परिस्थितियों को पूरी तरह बदल दिया। इस कदम से अमेरिका को भी इस संघर्ष में उलझन का सामना करना पड़ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने अपनी सैन्य और रणनीतिक स्थिति को मजबूत करने के साथ-साथ जनशक्ति बढ़ाने पर भी ध्यान दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक तेहरान ने दावा किया है कि लाखों सैनिक देश की रक्षा के लिए तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर वे किसी भी संभावित अमेरिकी खतरे का सामना करने के लिए सक्षम हैं। इसी बीच ईरान द्वारा सेना में भर्ती की न्यूनतम उम्र को घटाकर 12 साल करने का फैसला लिया गया है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इस फैसले के बाद नाबालिगों के सैन्य उपयोग को लेकर मानवाधिकार संगठनों और कई देशों ने आपत्ति जताई है।

बता दें दूसरे विश्व युद्ध में जर्मनी में युवाओं को सहायक भूमिकाओं में भर्ती किया गया था, जबकि इराक के सद्दाम हुसैन ने 'अशबाल सद्दाम' नामक संगठन बनाकर बच्चों को सैन्य प्रशिक्षण और वैचारिक रूप से तैयार किया था। इस संगठन का उद्देश्य भविष्य के लिए एक कट्टर और वफादार सेना तैयार करना था, जो सीधे नेतृत्व के प्रति समर्पित हों। विशेषज्ञों का मानना है कि नाबालिगों को सैन्य और वैचारिक प्रशिक्षण देना समाज की मानसिक संरचना को लंबे समय तक प्रभावित कर सकता है। ईरान की मौजूदा नीति को भी कुछ विश्लेषक उसी दिशा में एक कदम मान रहे हैं, जहां भविष्य के लिए वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध सैनिक तैयार किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन युवाओं को गश्त, चेकपॉइंट और लॉजिस्टिक जैसी सहायक भूमिकाओं में शामिल किया जा सकता है। बता दें इराक के कुवैत पर 1990 में किए गए हमले और उसके बाद के हालात भी इस तरह के सैन्य मॉडल के परिणामों की ओर संकेत करते हैं, जहां लंबे संघर्ष और अस्थिरता ने क्षेत्र को गहराई से प्रभावित किया था। बाद में इराक में सत्ता परिवर्तन और आईएसआईएस जैसे संगठनों के उभरने ने इस बात को और स्पष्ट किया कि सैन्य और वैचारिक प्रशिक्षण का प्रभाव आने वाले सालों तक बना रह सकता है।

बैकफुट पर ट्रंप? उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा, युद्ध को लंबा खींचने के पक्ष में नहीं वॉशिंगटन

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए स्पष्ट किया है कि अमेरिका ईरान के साथ लंबे समय तक सैन्य संघर्ष में उलझे रहने का इच्छुक नहीं है। एक हालिया पॉडकास्ट इंटरव्यू में वेंस ने अमेरिकी रणनीति का खुलासा करते हुए कहा कि प्रशासन का लक्ष्य वहां केवल अपना निर्धारित कार्य पूरा करना है, न कि वर्षों तक अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखना। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि अमेरिका एक या दो साल की लंबी योजना नहीं बना रहा है, बल्कि अपना काम पूरा होते ही जल्द से जल्द वहां से बाहर निकल जाएगा। उनके इस बयान को वैश्विक स्तर पर एक सीमित और त्वरित सैन्य हस्तक्षेप के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

इस्लामाबाद में अहम बैठक: तीन देशों के विदेश मंत्री पहुंचे

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

ईरान से इजरायल- अमेरिका के बढ़ते सैन्य तनाव और संभावित युद्ध की स्थिति को समाप्त करने के प्रयास तेज हो गए हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सऊदी अरब, तुर्किये और मिस्र के विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक शुरू हुई है। इस बैठक की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है, जिसे क्षेत्रीय स्तर पर एक बड़ी कूटनीतिक पहल माना जा रहा है। बैठक के दौरान इशाक डार ने मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलत्ती से मुलाकात की। इसके अलावा वे तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान और सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय वार्ताएं भी करेंगे। इन सभी नेताओं की शहबाज शरीफ से भी मुलाकात प्रस्तावित है।

मध्यस्थता की पेशकश और अमेरिकी प्रस्ताव

पाकिस्तान ने खुद को इस पूरे संकट में एक मध्यस्थ के रूप में पेश किया है। उसने ईरान को अमेरिका की ओर से तैयार 15 सूत्रीय प्रस्ताव भी सौंपा है। इस प्रस्ताव में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह बंद करने, मिसाइल कार्यक्रम में कटौती, क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों को समर्थन रोकने और बदले में आर्थिक प्रतिबंधों में राहत देने जैसे अहम मुद्दे शामिल हैं। फिलहाल ईरान इस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, पाकिस्तान के सऊदी अरब और ईरान दोनों के साथ करीबी और संतुलित संबंध हैं, जिससे वह इस तरह की वार्ता के लिए उपयुक्त स्थान बनता है। पहले यह बैठक तुर्किये में प्रस्तावित थी, लेकिन बाद में इसे इस्लामाबाद स्थानांतरित कर दिया गया। पाकिस्तान की तटस्थ भूमिका और क्षेत्रीय देशों के साथ उसके स्थिर संबंधों ने इस पहल को संभव बनाया है। इसके अलावा मिस्र के साथ भी उसके कूटनीतिक संबंध सकारात्मक माने जाते हैं। विश्लेषकों का मानना है कि इस्लामाबाद में हो रही यह बैठक क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। यदि कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं, तो यह संभावित बड़े संघर्ष को टालने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

जेलेंस्की ने कहा-

सैटेलाइट तस्वीर बता रही है रूस कर रहा है ईरान की भरपूर मदद

एजेंसी ■ कीव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ा दावा करते हुए रूस और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग की ओर इशारा किया है। जेलेंस्की के अनुसार, सऊदी अरब स्थित प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर ईरान द्वारा किए गए हालिया हमले से ठीक पहले रूसी उपग्रहों ने इस सैन्य ठिकाने की कई बार विस्तृत तस्वीरें ली थीं। उन्होंने आशंका जताई है कि रूस ने ये खुफिया जानकारियां ईरान के साथ साझा की हो सकती हैं, जिससे हमले को अंजाम देने में मदद मिली।यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट का हवाला देते हुए राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि रूस के सैटेलाइट ने 20 मार्च, 23 मार्च और 25 मार्च को इस एयरबेस की निरंतर निगरानी की थी। इन तस्वीरों के लिए जाने के

ठीक एक दिन बाद, 26 मार्च को ईरान ने इस ठिकाने पर भीषण हमला कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में ईरान ने 6 बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागे थे, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 15 सैनिक घायल हुए।

घायल सैनिकों में से कई की हालत गंभीर बनी हुई है। प्रिंस सुल्तान एयरबेस अमेरिका और सऊदी अरब के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक केंद्र माना जाता है। जेलेंस्की ने अपने देश के युद्ध के अनुभव साझा करते हुए कहा कि रूस की कार्यप्रणाली काफी हद तक पूर्वानुमानित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि रूसी सैटेलाइट किसी स्थान की एक बार तस्वीर लेते हैं तो वह तैयारी का हिस्सा होता है, दूसरी बार की तस्वीर अभ्यास का संकेत देती है, और यदि तीसरी बार भी तस्वीर ली जाए, तो इसका सीधा अर्थ है कि अगले 24 से 48 घंटों में हमला निश्चित है।

नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह का भारत को संदेश, बोले- साथ मिलकर काम करने को उत्सुक

काठमांडू। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने पदभार संभालने के तुरंत बाद भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि वह दोनों देशों के बीच सहयोग को नई दिशा देने के लिए उत्सुक हैं।

35 वर्षीय बालेंद्र शाह, जिन्हें 'बालेन' के नाम से भी जाना जाता है, ने शुक्रवार को नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेकर नया इतिहास रचा। रैपर, इंजीनियर और फिर नेता के रूप में उभरे शाह को नेपाल की राजनीति में पीढ़ीगत बदलाव का प्रतीक माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने शाह को बधाई देते हुए कहा था कि उनका नेतृत्व नेपाल की जनता के विश्वास का प्रतीक है और दोनों देश मिलकर आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं।

अमेरिका को दी सीधी चेतावनी, हमले का बहाना ढूंढ रहे किम

किया एक और परमाणु परीक्षण

एजेंसी ■ प्योंगयांग

पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच जारी भीषण संघर्ष के बीच अब उत्तर कोरिया ने भी अपनी सैन्य गतिविधियों से वैश्विक चिंताएं बढ़ा दी हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की मौजूदगी में रविवार को एक शक्तिशाली सॉलिड फ्यूल इंजन का सफल परीक्षण किया गया। साथ ही अमेरिका को चेतावनी देते हुए ईरान पर हो रहे हमलों को लेकर अमेरिका और इजरायल की कड़ी आलोचना की है। इस इंजन का मुख्य उद्देश्य ऐसी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें तैयार करना है, जो सीधे अमेरिकी मुख्यभूमि (मेनलैंड) तक मार करने में सक्षम हों। जानकारों का मानना है कि यह परीक्षण उत्तर कोरिया के उस पांच साल के सैन्य अभियान का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य अपनी परमाणु

और मिसाइल क्षमता को सर्वोच्च स्तर पर पहुंचाना है।आधिकारिक बयानों के अनुसार, किम जोंग उन ने ईरान पर हो रहे हमलों को लेकर अमेरिका और इजरायल की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिका के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए उसे आतंकवादी तक कह डाला। उत्तर कोरिया द्वारा परीक्षित यह नया इंजन 2500 किलोटन तक का पेलोड (हथियार) ले जाने की क्षमता रखता है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर में भी इसी तरह के एक इंजन का परीक्षण किया गया था, जिसकी क्षमता 1900 किलोटन थी। इंजन की शक्ति में यह भारी बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि उत्तर कोरिया अब एक ही मिसाइल पर कई परमाणु आयुध लगाने की तकनीक पर काम कर रहा है, जिससे अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदना आसान हो सके। रणनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि ठोस ईंधन (सॉलिड फ्यूल) आधारित मिसाइलें तरल ईंधन वाली मिसाइलों की तुलना में अधिक खतरनाक होती हैं, क्योंकि इन्हें गुप्त रूप से तैनात किया जा सकता है और इनके प्रक्षेपण का पहले से पता लगाना बेहद कठिन होता है। किम जोंग उन ने इस परीक्षण को देश की सामरिक सैन्य ताकत को बढ़ाने के लिए मील का पत्थर बताया है।

चेतावनी | बड़ा रणनीतिक जोखिम होगा

गोल्डन डोम: लागत और चीनी अंतरिक्ष चुनौती ने बढ़ाई अमेरिका की चिंता

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिकी सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति की हालिया सुनवाई के दौरान प्रस्तावित गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली की व्यवहार्यता और उसकी भारी-भरकम लागत को लेकर गंभीर बहस छिड़ गई है। वरिष्ठ अमेरिकी सीनेटर मार्क केली ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर सवाल उठाते हुए चेतावनी दी है कि यह प्रणाली भविष्य की चुनौतियों और भौतिकी की सीमाओं के सामने अपर्याप्त साबित हो सकती है। केली ने आशंका जताई कि यदि अमेरिका इस पर 500 अरब से 1 ट्रिलियन

डॉलर तक खर्च कर देता है और अंत में यह प्रभावी रूप से काम नहीं करती, तो यह एक बड़ा रणनीतिक जोखिम होगा। प्रस्तावित गोल्डन डोम एक बहु-स्तरीय सुरक्षा ढाल है, जिसे हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल्स और उन्नत क्रूज़ मिसाइलों जैसे जटिल खतरों को रोकने के लिए डिजाइन किया जा रहा है। सुनवाई के दौरान सीनेटर केली ने जोर देकर कहा कि यद्यपि एक मजबूत मिसाइल रक्षा ढांचा डिटरेंस बाय डिनायल (प्रतिरोध के माध्यम से सुरक्षा) को मजबूत कर सकता है, लेकिन अलग-अलग दिशाओं से आने वाली और चाल बदलने में सक्षम मिसाइलों को रोकना तकनीकी रूप से बेहद कठिन है। एडमिरल रिचर्ड कॉरेल ने इसके जवाब में स्पष्ट किया कि इस परियोजना का पहला चरण उन्नत डिटेक्शन और ट्रैकिंग सेंसर विकसित करना होगा, ताकि दुश्मन की मिसाइलों का सटीक पीछा किया जा सके। इसके लिए अंतरिक्ष-आधारित इंटरसेप्टर जैसी नई तकनीकों के विकास की आवश्यकता होगी। मिसाइल रक्षा प्रणाली के साथ-साथ, सुनवाई में चीन की तेजी से बढ़ती अंतरिक्ष क्षमताओं पर भी गहरी चिंता व्यक्त की गई। सीनेटर केली ने बताया कि चीन के एसजे-5 और एसजे-21 उपग्रहों ने कक्षा में जिस तरह के पैंतरे दिखाए हैं और सैटेलाइट रीफ्यूलिंग (उपग्रहों में ईंधन भरना) का सफल प्रयोग किया है, वह अमेरिकी संसाधनों के लिए नया खतरा है। अमेरिकी स्पेस कमांड के प्रमुख जनरल स्टीफन व्हाइटिंग ने भी इन गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने की पुष्टि की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बीजिंग ने अंतरिक्ष में स्थायी पैंतरेबाज़ी की क्षमता विकसित कर ली, तो उसे वैसा ही लाभ मिलेगा जैसा अमेरिका ने जमीन, समुद्र और हवा में हासिल किया है। व्हाइटिंग के अनुसार, अमेरिका को भी अपनी मैन्यूवर वॉरफेयर क्षमता विकसित करनी चाहिए ताकि अंतरिक्ष में सैन्य बढ़त को बरकरार रखा जा सके।

होर्मुज के बाद अब एक और समुद्री मार्ग पर संकट

एजेंसी ■ यरूशलेम

मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष ने अब तक का सबसे खतरनाक मोड़ ले लिया है। पिछले चार हफ्तों से युद्ध से दूरी बनाए रखने वाले यमन के हूती विद्रोहियों ने अब सीधे इजरायल पर मिसाइलें दागकर इस जंग में अपनी सक्रिय भागीदारी का ऐलान कर दिया है। हूतियों की इस एंट्री से इजरायल के लिए सुरक्षा चुनौती तो बढ़ी ही है, लेकिन असली खतरा वैश्विक अर्थव्यवस्था के चोक पॉइंट्स पर मंडरा रहा है। यमन की भौगोलिक स्थिति लाल सागर और अदन की खाड़ी के मुहाने पर है। इन दोनों को जोड़ने वाला बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य वैश्विक व्यापार के लिए धड़कन की तरह है, जहाँ से दुनिया का करीब 12 प्रतिशत व्यापार गुजरता है। यदि हूती विद्रोही इस मार्ग पर जहाजों की आवाजाही रोकते हैं या अपनी मिसाइल क्षमता का उपयोग समुद्री नाकेबंदी के लिए करते हैं, तो इसका असर सीधे तौर पर हर देश की रसोई और बाजार पर पड़ेगा। चिंता की बात यह है कि दुनिया पहले से ही होर्मुज जलडमरूमध्य के संकट से जूझ रही है, जहाँ से यदि होर्मुज और बाब अल-मंदेब दोनों रास्ते एक साथ प्रभावित होते हैं, तो वैश्विक सप्लाई चेन को ऐसा दोहरा झटका लगेगा जिससे उबरना नामुमकिन हो सकता है।

दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच कांटे की टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी | आईपीएल 2026 के पांचवें मुकाबले में बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स की भिड़ंत लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ होगी। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेला जाना है। लखनऊ और दिल्ली के बीच इस लीग में कांटे की टक्कर देखने को मिलती है।

आईपीएल में अब तक इन दोनों टीमों के बीच कुल 7 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 4 मुकाबले दिल्ली ने जीते हैं, जबकि 3 मुकाबलों में लखनऊ को जीत मिली हुई है। आईपीएल 2025 में इन दोनों टीमों के बीच कुल 2 मुकाबले खेले गए थे और दोनों ही बार दिल्ली कैपिटल्स विजयी रही थी। दिल्ली अपने इस दबदबे को इस सीजन भी कायम रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

दिल्ली की टीम इस सीजन काफी संतुलित नजर आ रही है। टॉप ऑर्डर में टीम के पास केएल राहुल का अनुभव मौजूद है। राहुल का प्रदर्शन पिछले सीजन कमाल का रहा था और उन्होंने 13 मैचों में 149 के स्ट्राइक रेट से 539 रन बनाए थे। राहुल के जोड़ीदार के तौर पर पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है। अभिषेक पोरेल ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। पोरेल ने 13 मैचों में 146 के स्ट्राइक रेट से 301 रन बनाए थे। करुण नायर, ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर से भी इस सीजन टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मिलर के आने से टीम का मध्यक्रम और ज्यादा संतुलित दिख रहा है। समीर रिजवी और आशुतोष शर्मा फिनिशर की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स का टॉप ऑर्डर काफी दमदार दिख रहा है। मिचेल मार्श और एडेन मार्करम से इस सीजन भी टीम को बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं, निकोलस पूरन अकेले दम पर किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं। हालांकि, कप्तान ऋषभ पंत की फॉर्म लखनऊ टीम के लिहाज से काफी अहम होगी। हालांकि, लखनऊ का मिडिल ऑर्डर कमजोर दिख रहा है।

अभय और अनाहत ने एशियाई स्क्वाश 2025 के पुरस्कार जीते

नयी दिल्ली, एजेंसी | भारत के अभय सिंह को एशियाई स्क्वाश महासंघ (एएसएफ) ने 2025 का 'उत्कृष्ट पुरुष खिलाड़ी' घोषित किया जबकि उभरती हुई युवा खिलाड़ी अनाहत सिंह को लड़कियों के वर्ग (जूनियर) में शीर्ष सम्मान के लिए चुना गया।

एएसएफ द्वारा जारी विजेताओं की सूची के अनुसार भारतीय लड़कों की टीम को 'पुरुष टीम पुरस्कार' के लिए चुना गया है जिसने मिस्र में आयोजित 2025 विश्व जूनियर टीम चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। अभय वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज हैं। वह कई बार एशियाई खेलों में पदक जीत चुके हैं और एशियाई चैंपियनशिप के विजेता भी हैं। वह उस टीम का भी हिस्सा थे जिसने पिछले साल भारत को पहला 'विश्व कप मिश्रित टीम' खिताब दिलाया था।

विश्व की 20वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत भी कई बार एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीत चुकी हैं। 2025 में उन्होंने काहिरा में आयोजित विश्व जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था और वह भारत की स्वर्ण पदक विजेता विश्व कप मिश्रित टीम का भी हिस्सा रही थीं।

इससे पहले भारतीय खिलाड़ी 2022 में एएसएफ की वार्षिक पुरस्कार सूची में शामिल हुए थे जब सौरव घोषाल और जोशना चिनप्पा ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता था।

आईपीएल ने ब्रॉडकास्ट इंजीनियर के निधन पर शोक व्यक्त किया, परिवार को मदद का भरोसा दिया

नयी दिल्ली, एजेंसी | इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) संचालन परिषद ने मंगलवार को ब्रिटिश ब्रॉडकास्ट इंजीनियर जान विलियम लैंगफोर्ड के असमय निधन पर गहरा शोक जताया जो बीसीसीआई के साथ लीग के 2026 सत्र के लिए काम कर रहे थे। संचालन परिषद ने शोकाकुल परिवार को हर संभव मदद का भरोसा भी दिया। लैंगफोर्ड 76 साल के थे। वह सोमवार सुबह दक्षिण मुंबई के एक होटल में अपने कमरे में बेहोश पाए गए थे। इसके बाद होटल मैनेजमेंट उन्हें तुरंत अस्पताल ले गया। एक अधिकारी ने बताया कि अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आईपीएल ने एक बयान में कहा, ''आईपीएल संचालन परिषद और इससे जुड़े सभी हितधारक इयान विलियम्स लैंगफोर्ड के असमय निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। वह हमारे प्रसारण परिचालन का एक अहम हिस्सा थे। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं।'' इसमें कहा गया, ''आईपीएल इस बेहद मुश्किल समय में लैंगफोर्ड के परिवार को हर जरूरी मदद और सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।''

रोमांचक मुकाबले में पंजाब की जीत, अंतिम ओवर में हारा गुजरात; कूपर कोनोली ने लूटी महफिल

नई दिल्ली, एजेंसी | आईपीएल 2026 का चौथा मुकाबला सांसें रोक देने वाला रहा. पहली पारी के 20 ओवर और दूसरी पारी के 12 ओवर तक मैच पूरी तरह से पंजाब किंग्स के हाथों में था, लेकिन फिर गुजरात टाइटंस ने करिश्माई वापसी की. 110 -2 से पंजाब का स्कोर 144-7 हो गया था. ऐसा लग रहा था कि गुजरात हारा हुआ मैच जीत लेगा, लेकिन कूपर कोनोली ने ऐसा नहीं होने दिया. वह अकेले डटे रहे और पंजाब को जीत दिलाकर वापस लौटे. कूपर कोनोली ने 44 गेंद में 72 रनों की मैच विनिंग पारी खेली. उनके बल्ले से 5 चौके और 5 छक्के निकले. गुजरात टाइटंस ने पहले खेलने के बाद 162 रन बनाए थे. जवाब में पंजाब किंग्स ने अंतिम ओवर में 7 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया.

दूसरी पारी में 12 ओवर तक ऐसा लग रहा था कि पंजाब किंग्स बेहद आसानी से यह मैच जीत लेगी, लेकिन 12 से 15 ओवर के बीच गुजरात के गेंदबाजों ने मैच पलट दिया. 8 रनों के भीतर पंजाब के 4 विकेट गिरे. 110-2 से स्कोर 118-6 हो गया था. ऐसा लगा कि अब गुजरात बाजी पलट देगा, लेकिन कोनोली एक तरफ डटे रहे और बाजी पलटने नहीं दी. 144 रनों पर 7 विकेट गिरे तो पंजाब का खेमा परेशान दिख रहा था, लेकिन जेवियर बार्टलेट ने कोनोली का अच्छा साथ दिया और अपनी टीम को जीत दिलाकर वापस लौटे. कोनोली 44 गेंद में 72 और बार्टलेट पांच गेंद में 11 रनों पर नाबाद लौटे.

अंतिम ओवरों में पलटा मैच, पंजाब ने की थी तूफानी शुरुआत - 163 रनों का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत शानदार रही थी. प्रियांश आर्य 07 रन बनाकर आउट हो गए थे, लेकिन प्रभसिमरन सिंह और कूपर कोनोली ने दूसरे विकेट के लिए 76 रनों की साझेदारी की. प्रभसिमरन ने 24 गेंद में 37 रनों की पारी खेली. उनके बल्ले से एक चौका और चार छक्के निकले. कप्तान श्रेयस अय्यर ने 11 गेंद में दो छक्कों की मदद से 18 रन बनाए.

नेहाल वढ़ेरा 03, शशांक सिंह 04 और मार्कस स्टोइनिस 00 पर आउट हुए. मार्को यानसेन भी 10 गेंद में 9 रन ही बना सके. हालांकि, कूपर कोनोली ने अकेले पंजाब को जीत दिला दी. कोनोली ने 44 गेंद में 72 रनों की नाबाद मैच विनिंग पारी खेली. जेवियर बार्टलेट पांच गेंद में 11 रनों पर नाबाद रहे.

गुजरात के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने घातक गेंदबाजी की. उन्होंने चार ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट चटकाए. कृष्णा ने ही डेड मैच में जान डाली थी. इसके अलावा कगिसो रबाडा, अशोक शर्मा, राशिद खान और वाशिंगटन सुंदर को एक-एक विकेट मिला.

टॉम लैथम को कप्तानी, चोट के बाद तीन घातक गेंदबाजों की टीम में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी | आईपीएल 2026 के शोर के बीच न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने बांग्लादेश दौरे के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। इस दौरे की सबसे बड़ी खबर चोटिल तेज गेंदबाजों की वापसी और आईपीएल की वजह से कप्तानी में हुआ बदलाव है। न्यूजीलैंड ने अप्रैल में होने वाले बांग्लादेश के सफेद गेंद दौरे के लिए अपनी टीम में विल ओ'रूर्के, ब्लेयर टिकनर और मैथ्यू फिशर को शामिल किया है। ये तीनों गेंदबाज चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। तीनों गेंदबाज को हुई थी इंजरी - न्यूजीलैंड के स्क्वाड में शामिल ये तीनों गेंदबाज वापसी के लिए अब पूरी तरह से तैयार हैं। तीनों की इंजरी की बात करें तो, विल ओ'रूर्के पीठ की चोट से उबरकर वनडे टीम में लौटे हैं। मैथ्यू फिशर शिन इंजरी (पैर की चोट) के बाद टी20 टीम का हिस्सा बने हैं। वहीं ब्लेयर टिकनर टखने की चोट से वापसी करते हुए दोनों (वनडे और टी20) टीमों में जगह बनाने में सफल रहे हैं।

न्यूजीलैंड के नियमित कप्तान मिचेल सैंटनर आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल रहे हैं, इसलिए उनकी अनुपस्थिति में टॉम लैथम को दोनों सीरीज के लिए कार्यवाहक कप्तान बनाया गया है। साथ ही, घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को भी टीम में वापस बुलाया गया है।

न्यूजीलैंड की टीमें - वनडे टीमः टॉम लैथम (कप्तान), मुहम्मद अब्बास, आदि अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, डेन क्लीवर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, निक केली, जेडन लेनोक्स, हेनरी निकोल्स, विल ओ'रूर्क, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर, विल यंग

टी20 टीमः टॉम लैथम (कप्तान), कैटेन क्लार्क, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, डेन क्लीवर, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, बेविन जैकब्स, निक केली, जेडन लेनोक्स, टिम रॉबिन्सन, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, ईश सोढ़ी, ब्लेयर टिकनर

व्यापार

पीएम मोदी ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया, 'मेड इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड' का दिया मंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अहमदाबाद के सानंद जीआईडीसी में 3,300 करोड़ रुपये की लागत से बने केन्स सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन किया।

यह भारत में इस प्रकार का दूसरा संयंत्र है और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है। इसे भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक माना जा रहा है, क्योंकि यह मिशन को गति प्रदान करेगा। इससे पहले आज, महावीर जयंती के अवसर पर, प्रधानमंत्री मोदी ने गांधीनगर के महावीर जैन आराधना केंद्र परिसर में कोबा तीर्थ स्थित सम्राट संप्रति संग्रहालय का भी उद्घाटन किया।

अशोक के पोते सम्राट संप्रति के नाम पर स्थापित यह संग्रहालय जैन धर्म की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को प्रदर्शित करता है।

इससे पहले सोमवार को, गुजरात के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने कहा, 'सेमीकंडक्टर विनिर्माण श्रृंखला में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल सानंद में 3,300 करोड़ रुपये की लागत से बने केन्स सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। यह इस श्रृंखला का दूसरा संयंत्र होगा, और यह सुविधा प्रतिदिन 7 लाख से अधिक चिप्स का उत्पादन करेगी।'

उन्होंने आगे कहा कि यह परियोजना भारत के एक नए तकनीकी युग में प्रवेश का प्रतीक है और चुनौतियों को अवसरों में बदलने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस दूसरी इकाई के साथ, हम इस भविष्यवादी उद्योग के युग में प्रवेश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री की खासियत चुनौतियों को अवसरों में बदलने की उनकी क्षमता रही है,' मोधवाडिया ने एएनआई को बताया। इससे पहले, फरवरी में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माइक्रोन सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन किया था।

मैग्नम का बड़ा दांव, 61.9% स्टेक के साथ क्वालिटी वॉल्स पर किया बड़ा टेकओवर

नई दिल्ली, एजेंसी | मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स ने क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) लिमिटेड (केडब्ल्यूआईएल) में 61.9 प्रतिशत बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इसके बाद कंपनी में प्रवर्तक वर्गीकरण में बदलाव हुआ है।

केडब्ल्यूआईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, ''30 मार्च 2026 को नए प्रवर्तक ने शेयर खरीद समझौते (एसपीए) और अन्य लागू कानूनों के अनुसार पूर्व प्रवर्तकों से बिक्री के लिए निर्धारित शेयर का अधिग्रहण किया।''

कंपनी ने कहा कि इस लेन-देन के बाद नए प्रवर्तक ने कंपनी पर नियंत्रण हासिल कर लिया है और सूचीबद्धता नियमों के अनुसार उन्हें कंपनी का ''प्रवर्तक'' वर्गीकृत किया गया है।

वहीं पूर्व प्रवर्तकों को अब ''प्रवर्तक'' श्रेणी से हटाकर ''सार्वजनिक'' श्रेणी में पुनर्वर्गीकृत कर दिया गया है। यह अधिग्रहण 25 जून 2025 को किए गए शेयर खरीद समझौते के तहत किया गया है जिसमें द मैग्नम आइस क्रीम कंपनी नीदरलैंड्स बीवी और यूनिलीवर पीएलसी सहित अन्य पक्ष शामिल रहे।

इसके तहत नए प्रवर्तक (मैग्नम) ने पूर्व प्रवर्तक यूनिलीवर से केडब्ल्यूआईएल के कुल 145.44 करोड़ शेयर खरीदने पर सहमति जताई थी जो कंपनी की कुल शेयर पूंजी का 61.9 प्रतिशत है। केडब्ल्यूआईएल ने शीर्ष स्तर पर कुछ बदलावों की भी घोषणा की है। कंपनी ने अभिजीत भट्टाचार्य को अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी एवं गैर-स्वतंत्र) तथा निदेशक मंडल के चेयरमैन के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दी है। वहीं ऋतेश तिवारी ने कंपनी के अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी एवं गैर-स्वतंत्र) पद से इस्तीफा दे दिया है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को 296 करोड़ रुपये का आयकर नोटिस, बैंक कानूनी चुनौती देने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी | सरकारी क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को आयकर विभाग की ओर से 296.08 करोड़ रुपये का डिमांड नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर भुगतान में कमी को लेकर भेजा गया है।

कर देनदारी चुकाने का निर्देश - बैंक ने मंगलवार को अपनी नियामकीय फाइलिंग में बताया कि उसे 28 मार्च 2026 को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 143(3) के साथ धारा 144B के तहत आकलन आदेश प्राप्त हुआ है। इस आदेश के तहत आयकर विभाग ने बैंक को आकलन वर्ष 2024-25 के लिए 296.08 करोड़ रुपये की कर देनदारी चुकाने का निर्देश दिया है।

बैंक ने क्या दी प्रतिक्रिया? - सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने कहा कि वह इस आदेश को चुनौती देने की प्रक्रिया में है और निर्धारित दिशानिर्देशों के तहत उचित मंच पर अपील दायर करेगा। बैंक के अनुसार, आकलन आदेश में की गई जोड़-घटाव (डिसएलाउंस/एडिशन) के खिलाफ उसके पास पर्याप्त तथ्यात्मक और कानूनी आधार मौजूद हैं।

बैंक ने यह भी कहा कि पूर्व में अपीलीय प्राधिकरणों के आदेशों को देखते हुए उसे इस मामले में राहत मिलने की उम्मीद है और संभावना है कि पूरी कर मांग समाप्त हो सकती है।

साथ ही, बैंक ने स्पष्ट किया कि इस नोटिस का उसके वित्तीय स्थिति, संचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई प्रभाव पड़ने की उम्मीद नहीं है।

नए निवेशकों में तेज गिरावट; फरवरी में सिर्फ 13.3 लाख ने ली एंट्री, 11 महीनों में दिखा सबसे निचला स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत के शेयर बाजार में नए निवेशकों के जुड़ने की रफ्तार में तेज गिरावट दर्ज की गई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2026 में केवल 13.3 लाख नए निवेशक जुड़े, जो महीने-दर-महीने आधार पर 24.5% की गिरावट है। यह वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट भी है और पिछले करीब 11 महीनों का सबसे निचला स्तर है।

फरवरी 2026 तक एनएसई का कुल रजिस्टर्ड निवेशक आधार बढ़कर 12.8 करोड़ हो गया है। हालांकि, नए निवेशकों की संख्या में कमी के बावजूद बाजार में दीर्घकालिक भागीदारी मजबूत बनी हुई है। 12 फरवरी 2026 को यूनिक क्लाइंट कोड्स की संख्या 25 करोड़ के पार पहुंच गई, जो इक्विटी बाजार में लगातार बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।

साल-दर-साल आधार पर निवेशकों की वृद्धि दर पिछले तीन महीनों में 14.4% पर स्थिर रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि अल्पकालिक सुस्ती के बावजूद लंबी अवधि का रुझान सकारात्मक बना हुआ है।

आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच हर महीने औसतन 13.6 लाख नए निवेशक जुड़े, जो पिछले साल इसी अवधि के 18.2 लाख के मुकाबले कम है। इससे स्पष्ट है कि नए निवेशकों के जुड़ने की रफ्तार धीरे-धीरे ठंडी पड़ रही है।

क्षेत्रीय स्तर पर महाराष्ट्र दो करोड़ से अधिक निवेशकों वाला पहला राज्य बन गया है और कुल निवेशक आधार में 15.7% हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर बना हुआ है। हालांकि, वित्त वर्ष 2021 में इसका हिस्सा 19.5% था, जो अब घटा है। इससे संकेत मिलता है कि अन्य राज्यों में निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है।

सीसीआई का करोड़ों का जुर्माना बेअसर? मॉर्फियस रिसर्च की रिपोर्ट में मेकमाईट्रिप ट्रिप पर फिर लगे गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी | मॉर्फियस रिसर्च ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यात्रा बुकिंग मंच मेकमाईट्रिप पर प्रतिस्पर्धा-रोधक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया है। रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनी भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के 2022 के उस आदेश के बावजूद ऐसा कर रही है, जिसमें उसे ऐसी गतिविधियां बंद करने को कहा गया था। मॉर्फियस रिसर्च ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर रिपोर्ट के हवाले से आरोप लगाया कि मेकमाईट्रिप अपने होटल साझेदारों के साथ अब भी मूल्य समानता व्यवस्था लागू कर रही है।

दुनिया के टॉप 10 लीडर्स में शामिल हैं ये बड़े नाम - रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर, 2022 में सीसीआई ने मेकमाईट्रिप पर प्रतिस्पर्धा-रोधक और दुरुपयोगपूर्ण गतिविधियों के लिए 2.6 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगाया था। कंपनी ने यह दावा किया था कि उसने इन मुद्दों का ''स्वेच्छा से समाधान'' कर लिया है, लेकिन '' हमें ऐसे प्रमाण मिले हैं कि वह खुले तौर पर नियामक के आदेश की अवहेलना कर रही है।'' इस खबर के लिखे जाने तक 'पीटीआई-भाषा' को मेकमाईट्रिप की प्रतिक्रिया नहीं मिली थी।

इंडिगो का 'मास्टरस्ट्रोक'! एविएशन के दिग्गज विली वॉल्श बने नए सीईओ, संभालेंगे एयरलाइन की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी | इंडिगो ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने विली वॉल्श को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। यह कंपनी के वैश्विक विस्तार की महत्वाकांक्षाओं को गति देने के क्रम में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन का संकेत है। वॉल्श, जो वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक हैं, की नियुक्ति नियामकीय स्वीकृतियों के अधीन है। आईएटीए में उनका कार्यकाल 31 जुलाई, 2026 को समाप्त होगा और उनके 3 अगस्त, 2026 तक इंडिगो में कार्यभार संभालने की उम्मीद है। वॉल्श, पीटर एल्बर्स का स्थान लेंगे, जिन्होंने 10 मार्च को सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया था। वॉल्श के पास वैश्विक विमानन क्षेत्र में दशकों का नेतृत्व अनुभव है। आईएटीए के प्रमुख के रूप में, उन्होंने एयरलाइन लाभप्रदता, स्थिरता लक्ष्य और नियामक ढांचे जैसे मुद्दों पर उद्योग की प्रतिक्रियाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आईएटीए से पहले, वॉल्श ने इंटरनेशनल एयरलाइंस ग्रुप का नेतृत्व किया, जो ब्रिटिश एयरवेज, इबेरिया और एयर लिंगस की मूल कंपनी है, और उन्हें जटिल एयरलाइन संचालन और बड़े पैमाने पर पुनर्गठन के संचालन का श्रेय दिया जाता है। यह नियुक्ति इंडिगो के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर हुई है, क्योंकि यह अपने पारंपरिक कम लागत वाले, अल्प दूरी के मॉडल से आगे बढ़कर लंबी दूरी के अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार कर रही है। एयरलाइन ने वाइड-बॉडी विमानों सहित बड़े विमानों के ऑर्डर दिए हैं, यूरोप और एशिया में अपना अंतरराष्ट्रीय विस्तार किया है, और वैश्विक मार्गों पर पूर्ण-सेवा वाहकों के साथ प्रतिस्पर्धा तेज कर दी है।

वॉल्श के अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन नेटवर्क प्रबंधन के अनुभव से इंडिगो को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी वाहक बनने में मदद मिलने की उम्मीद है। यह कदम इंडिगो के वैश्विक विमानन मानकों और नेतृत्व के साथ अधिक निकटता से जुड़ने के इरादे को दर्शाता है, क्योंकि भारत सबसे तेजी से बढ़ते हवाई यात्रा बाजारों में से एक के रूप में उभर रहा है। वॉल्श के जाने के साथ ही आईएटीए में उनका कार्यकाल भी समाप्त हो जाएगा, जहां वे विश्व स्तर पर एयरलाइन हितों के एक प्रमुख समर्थक रहे हैं।

अक्षय कुमार ने शेयर किया जीवन का सबसे बड़ा सबक

बताया कैसे सच होते हैं सपने

जिंदगी में अक्सर चीजें हमारी योजना के अनुसार नहीं होतीं। कई ऐसी घटनाएं हो जाती हैं, जिनकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की होती। इसलिए हमें कभी भी यह नहीं सोचना चाहिए कि कोई चीज हमारी क्षमता या पहुंच के बाहर है। इस बात को हाल ही में टीवी शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून के हालिया एपिसोड में अभिनेता अक्षय कुमार ने बहुत ही आसान तरीके से शो के एक कंटेस्टेंट को समझाया। दरअसल, शो के दौरान कंटेस्टेंट स्तुति ने कहा कि उसे लगता है कि कुछ लोग उसकी लीग से बाहर हैं। स्तुति ने बताया कि शाहरुख खान हमेशा से उसके क्रश रहे हैं और जब शाहरुख खान ने गौरी खान से शादी की थी, तो उसका दिल टूट गया था। फिर, उसने सोचा कि अगर शाहरुख नहीं तो आर्यन खान सही, लेकिन बाद में उसे लगा कि आर्यन खान भी उसकी लीग से बहुत बाहर हैं। अक्षय कुमार ने स्तुति की इस बात को सुनकर अपनी जिंदगी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं होता। इसलिए हमें खुद पर भरोसा रखना चाहिए और हर अवसर को अपनाने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी को भी यह सोचकर सीमित नहीं रहना चाहिए कि कोई व्यक्ति या सपना उसकी पहुंच से बाहर है। अक्षय ने अपनी कहानी बताते हुए कहा कि उनकी शादी ट्विंकल खन्ना से हुई है। ट्विंकल खन्ना दिवंगत सुपरस्टार राजेश खन्ना और अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया की बेटी हैं। अक्षय ने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए कहा, ÷जब मैं छोटा था, तो मेरे पापा और मम्मी मुझे कंधों पर बिठाकर कार्टर रोड और बैंडस्टैंड घुमाने ले जाते थे। उस समय राजेश खन्ना जी की गाड़ी वहां से गुजरती थी। तब वे मेरे ससुर नहीं थे, सिर्फ एक बड़े स्टार थे। उस समय हम उन्हें दूर से देखा करते थे।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷किसी ने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन मेरी शादी उनकी बेटी से हो जाएगी। उस समय तो मैंने भी इसकी कल्पना नहीं की थी। अक्षय कुमार ने जोर देते हुए कहा कि असल में कोई भी चीज हमारी पहुंच से बाहर नहीं होती। उन्होंने बताया कि बचपन में राजेश खन्ना को देखने वाले छोटे लड़के को आजकल लोग उनके दामाद के रूप में जानते हैं। यह उदाहरण देकर उन्होंने साबित किया कि जिंदगी में सपने और मौके कभी भी हकीकत बन सकते हैं।

जब शाहरुख खान ने पहले ही कर दी रणवीर सिंह के बड़े स्टार बनने की भविष्यवाणी

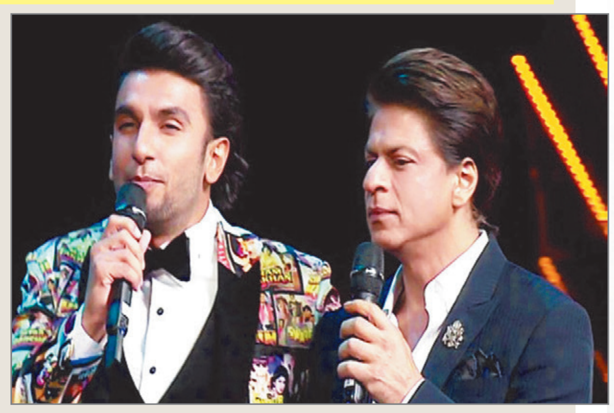

यह कहना गलत नहीं होगा कि साल 2025 और 2026 रणवीर सिंह के नाम रहा। अभिनेता ने बॉक्स ऑफिस को हिलाकर रख दिया। किसी ने नहीं सोचा था कि साल 2010 में यशराज फिल्म्स की फिल्म बैंड बाजा बारात से फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाला बिट्टू शर्मा धुरंधर बनकर सिनेमा पर छाने वाला है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि शाहरुख खान ने अभिनेता के अभिनय की परख पहली ही फिल्म में कर दी थी और उसी वक्त कह दिया था कि ये आ गया है, अब हमारा क्या होगा? रणवीर सिंह का करियर महज़ एक अभिनेता की शुरुआत नहीं थी, बल्कि पर्दे पर एक ऐसी ऊर्जा का विस्फोट था जिसे हिंदी सिनेमा ने दशकों से महसूस नहीं किया। अभिनेता के एनर्जी लेवल की हमेशा तारीफ होती है, और उन्होंने समय-समय पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया, चाहे वह लुटेरा में खामोशी से दर्शकों का दिल जीतना हो, या फिर राम-लीला और बाजीराव मस्तानी से फैंस का दिल धड़काना हो। अभिनेता ने हर किरदार से सिनेमा में अपने कदमों को मजबूती से जमाया है। रणवीर की इसी प्रतिभा को शाहरुख खान ने उनकी पहली फिल्म बैंड बाजा बारात में ही पहचान लिया था। अभिनेता को पहली फिल्म में फिल्मफेयर के बेस्ट डेब्यू एक्टर के अवॉर्ड से नवाजा गया था। स्टेज पर रणवीर किसी बच्चे की तरह अवॉर्ड लेते वक्त रोए थे और फिल्ममेकर यश चोपड़ा और आदित्य चोपड़ा का दिल से धन्यवाद दिया था। अभिनेता के लिए यह बहुत बड़ी बात थी कि अवॉर्ड उन्हें शाहरुख खान के हाथों से मिला था। शाहरुख खान ने भरी स्टेज पर कहा था कि 卐तू क्यों हो रहा है? अब रोने का समय तो हमारा है क्योंकि हिंदी सिनेमा में तू जो आ गया है, अब पता नहीं, हमारा क्या होगा। शाहरुख ने रणवीर को बॉलीवुड का सबसे खूबसूरत और उभरता सितारा कहा था, हालांकि उस वक्त अभिनेता स्टेज पर सिसकते हुए थोड़ा सा हंसने की कोशिश कर रहे थे। रणवीर का करियर 卐ऐंवई ऐंवई लूट गया卐 से शुरू होकर अब धुरंधर-2 के आरी-आरी तक सफल मुकाम पर पहुंच गया है, जिसका इंतजार हर अभिनेता अपने फिल्मी करियर में करता है और बहुत कम लोग ही इस मुकाम तक पहुंच पाते हैं।

प्रियंका चोपड़ा का रैंडम मार्च फोटो डंप, बेटी मालती और पति निक संग बिताए खास पलों की झलक

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकी प्रियंका चोपड़ा प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बीच बैलेंस बनाती नजर आ रही हैं। एक तरफ जहां वह बड़े इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स में काम कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर अपने परिवार के साथ बिताए पलों को भी उतनी ही अहमियत देती हैं। सोशल मीडिया पर वह अपने फैंस के साथ हर खास पल को शेयर करती रहती हैं। रविवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर मार्च महीने की कुछ खास झलकियां साझा की, जो अब तेजी से वायरल हो रही हैं। रविवार को प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो डंप शेयर किया, जिसमें कई शामिल हैं। इन तस्वीरों में वह अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के साथ क्वालिटी टाइम बिताती नजर आ रही हैं। इसके अलावा, एक तस्वीर में प्रियंका चोपड़ा का आईडी कार्ड भी नजर आ रहा है। उनका यह कार्ड हाल ही में आयोजित नौवें एकेडमी अवॉर्ड्स का है। एक अन्य तस्वीर में निक जोनस, बेटी मालती को गोद में बिठाकर कार ड्राइव करते दिख रहे हैं। वहीं अन्य में वह अपने दोस्तों और निक के साथ मस्ती करती नजर आ रही है। इन सभी तस्वीरों के साथ प्रियंका चोपड़ा ने कैप्शन में लिखा- रैंडम मार्च इस पोस्ट में प्रियंका ने पूरे महीने की अलग-अलग यादों को एक साथ समेटने की कोशिश की है। अगर उनके पूरे महीने की बात करें, तो मार्च प्रियंका चोपड़ा के लिए काफी बिजी रहा है। वह काम के सिलसिले में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में यात्रा करती रहीं, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ को भी पूरी तरह से बैलेंस किया।

इससे पहले भी प्रियंका चोपड़ा ने अपने एक और पोस्ट से फैंस का ध्यान खींचा था, जब उन्होंने अमृतसर यात्रा की झलक साझा की थी। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक डिजिटल मैप की तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें फ्लाइट का रूट दिख रहा था। यह फ्लाइट नई दिल्ली से उड़ान भरकर अमृतसर पहुंच रही थी। इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा था, एक अलग एडवेंचर की ओर चलो, हालांकि, उन्होंने इस एडवेंचर के बारे में ज्यादा और जानकारी नहीं दी।

दूसरी बार मां बनीं सोनम कपूर, बेबी बॉय को दिया जन्म

एक्ट्रेस सोनम कपूर के लिए रविवार का दिन बेहद खास रहा। एक्ट्रेस दूसरी बार मां बनी हैं, उन्होंने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। इसकी जानकारी सोनम ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए दी है। सोनम अब दो बच्चों की मां बन गई हैं। सोनम कपूर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, बेहद शुक्रगुजार और प्यार से भरे दिलों के साथ, हमें 29 मार्च 2026 को अपने बेटे के आने की खुशखबरी सुनाते हुए बहुत खुशी हो रही है। हमारा परिवार और बड़ा हो गया है और उसके आने से हमारे दिल खुशियों से और भी ज्यादा भर गया है। 'रांझणा' फेम अभिनेत्री ने बताया कि उनका बड़ा बेटा वायु अब छोटे भाई को पाकर बहुत खुश है। सोनम ने आगे लिखा, वायु अपने छोटे भाई का स्वागत करके बहुत उत्साहित और खुश है और हम इस अनमोल नई जिंदगी के लिए खुद को बहुत धन्य महसूस करते हैं, जिसने हमारे घर को खुशियों और प्यार से भर दिया है। पोस्ट के अंत में सोनम और आनंद ने लिखा, हम चार लोगों के परिवार के रूप में इस खूबसूरत नए सफर की शुरुआत करने के लिए शुक्रगुजार हैं। इस खुशखबरी को लेकर सोनम के परिवार और दोस्तों की ओर से ढेरों शुभकामनाएं मिलीं। करीना कपूर ने लिखा, बधाई हो सोना और आनंद। सोनम की बहन रिया कपूर ने दिल वाले इमोजी के साथ खुशी जताई। सोनम के चाचा संजय कपूर ने भी रेड हार्ट इमोजी के साथ अपनी खुशी जाहिर की। इसके अलावा, दीया मिर्जा और हुमा कुरैशी ने भी कमेंट सेक्शन में बधाई दी। सोनम कपूर ने पिछले साल नवंबर में अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। उन्होंने एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की थी जिसमें वह हॉट पिंक रंग का शानदार सूट पहने नजर आई थीं। कैप्शन में सिर्फ एक शब्द लिखा था मां। सोनम कपूर ने मई 2018 में बिजनेसमैन आनंद आहूजा से शादी की थी। दोनों कई सालों से रिश्ते में थे। सोनम ने अगस्त 2022 में अपने पहले बेटे वायु को जन्म दिया था।

आचारी बा में नीना गुप्ता के अभिनय की कायल हुईं हेमा मालिनी, सभी से की फिल्म देखने की अपील

मथुरा की सांसद बनने के बाद बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी फिल्मों के बारे में कम ही बात करती हैं, लेकिन अब उन्होंने ऐसी फिल्म की तारीफ की है जिसे पिछले साल ओटीटी पर रिलीज किया गया था। उन्होंने एक्ट्रेस नीना गुप्ता की फिल्म आचारी बा की जमकर तारीफ की है और सभी से अपील है कि ऐसी प्रेरित करने वाली फिल्मों को जरूर देखें। हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया के जरिए बीते साल रिलीज हुई फिल्म आचारी बा की तारीफ की। अभिनेत्री के मुताबिक, फिल्म की कहानी महिला के दृढ़ संकल्प और सशक्तीकरण का उदाहरण है और महिला के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर लिखा, ÷हाल ही में मैंने आचारी बा देखी, जो एक महिला के दृढ़ संकल्प और सशक्तीकरण की दिल छू लेने वाली कहानी है। सरल और प्रभावशाली प्रस्तुति। मैं कलाकारों और टीम को अपनी शुभकामनाएं देती हूं। नीना गुप्ता ने शानदार अभिनय किया है और उनके साथ उनका प्यारा गोल्डन रिट्रीवर साथी था। यह फिल्म अवश्य देखने लायक है।÷ आचारी बा 14 मार्च 2025 को होली के मौके पर ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो प्लस हॉटस्टार पर रिलीज की गई थी। फिल्म की कहानी को रिलीज के वक्त भी बहुत सराहना मिली थी, क्योंकि फिल्म में नीना गुप्ता ने तेज-तर्रार मंजू देवी से सीधी-साधी आचारी बेन का किरदार निभाया, जो अपनी पहचान के लिए बेटे तक को छोड़ने का फैसला लेती है।

फिल्म की कहानी एक मध्यवर्गीय परिवार की है, जिसमें नीना देवी यानी आचारी बा गांव में आचार बनाकर खुद का गुजारा करती है और मुंबई में परिवार के साथ रह रहे बेटे को उनसे कोई लेना देना नहीं। एक दिन अचानक बेटा मां को लेने के लिए आ जाता है और उसे अपने साथ 10 दिन रहने का प्रस्ताव देता है। बाद में आचारी बा को पता चलता है कि उसे घर में कुत्ते की देखभाल के लिए लाया गया है। इसी उधेड़बुन में सोशल मीडिया के सहारे आचारी बा फेमस हो जाती है और कुकिंग कॉम्पीटिशन जीत जाती है। फिल्म में बहुत सारे भावनात्मक उतार-चढ़ाव है, जिनका अंदाजा फिल्म देखने के बाद ही लग सकता है। फिल्म जियो प्लस हॉटस्टार पर उपलब्ध है और फिल्म में नीना गुप्ता के बेटे का किरदार वत्सल सेठ ने निभाया है।

खेड़ापति हनुमान मंदिर में दो दिवसीय धार्मिक आयोजन, 1 अप्रैल से रामचरितमानस अखंड पाठ शुरू

साधना एक्सप्रेस भोपाल।

भगवान शिवशंकर के 11वें अवतार अंजनी पुत्र हनुमान जी महाराज के प्रति श्रद्धा और आस्था का प्रतीक बने खेड़ापति हनुमान मंदिर में आगामी दिनों में भव्य धार्मिक आयोजन होने जा रहे हैं। हनुमान भक्तों की आस्था के केंद्र इस मंदिर में 1 अप्रैल से रामचरितमानस का अखंड पाठ प्रारंभ होगा।

मंदिर समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 2 अप्रैल को सुबह 10 बजे से संगीतमय सुंदरकांड का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें बजरंग मानस मंडल द्वारा आकर्षक और भावपूर्ण प्रस्तुति दी जाएगी। इस धार्मिक कार्यक्रम में भोपाल शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से लाखों की संख्या में हनुमान भक्तों के पहुंचने की संभावना है।

कार्यक्रम के आयोजन में सामाजिक संगठन हिन्दू दर्पण भी सहयोगी की भूमिका निभा रहा है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2014 से लगातार खेड़ापति हनुमान जी महाराज की कृपा से यह संगठन इस आयोजन में सहयोग कर रहा है और सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त कर रहा है।

आयोजकों का कहना है कि यह समस्त आयोजन खेड़ापति हनुमान जी महाराज की कृपा से ही संभव हो पाता है, जिसमें श्रद्धालु बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं और धार्मिक वातावरण में भक्ति का आनंद उठाते हैं।

श्री विष्णु महायज्ञ एवं रामचरित मानस सम्मेलन के आयोजन से माहौल हुआ धर्ममय

रामकथा के श्रवण से मिलते है संस्कार - रामस्वरुपाचार्य जी महाराज

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

राजेश नीरस. क्षेत्र के चीचली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम इमलिया (कल्याणपुर) में श्री रामाश्रित सत्संग सभा के तत्वावधान में जारी 57 वे श्री विष्णु महायज्ञ एवं रामचरित मानस सम्मेलन के आयोजन से समूचा माहौल धर्ममय हो गया है।

यज्ञ मे प्रतिदिन बड़ी संख्या मे अनेक क्षेत्रीय श्रद्धालु सपरिवार यज्ञ शाला की परिक्रमा लगाने एवं धार्मिक प्रवचनों को सुनने यज्ञ एवं कथास्थल पहुँच रहे है। सोमवार को प्रवचन मे कामतनाथ पीठाधीश्वर रामस्वरूपाचार्य महाराज ने भरत मिलाप प्रसंग , भरत के चरित्र का वर्णन एवं भरत की शांतिप्रिय राममिलाप यात्रा का वर्णन करते हुए कहा कि व्यक्ति को इस प्रकार की कोई यात्रा या आंदोलन नहीं करना चाहिए

जिसमें राष्ट्र की आर्थिक हानि या क्षति हो । उन्होंने राम नाम की शक्ति , महिमा एवं लाभ बतलाये एवं कहा कि भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है क्योंकि सकल सृष्टि है

राम में,कण कण व्यापे राम ।राम चरित्र पावन सुधा , राम चरण सुख धाम । राम नाम संजीवनी,सकल सृष्टि आधार ।राम नाम तरण तारण ,राम नाम पतवार। उन्होंने भारतीय किसान एवं कृषि परंपरा भारतीय संस्कृति के आधार इमलिया ग्राम के लोगों द्वारा यज्ञ स्थल हेतु भूमि देने की प्रशंसा की तथा राम रस श्रवण करने वाले हजारों श्रोताओं, यज्ञ के यज्ञाचार्य पंडित मुकेश बुधोलिया ,संगीत सहयोगी रामकृष्ण कौरव ,नीरज कौरव , श्री रामाश्रित सत्संग सभा इमलिया एवं समस्त आसपास के भक्तों सनातनियों की प्रशंसा की।

प्रवचन कार्यक्रम मे बाल विदुषी साध्वी सुश्री प्रभा भारती वृंदावन धाम ने भगवान कृष्ण के बाल रूप का मनमोहक चित्रण किया। उनके द्वारा प्रस्तुत कृष्ण उपासना,राधा कृष्ण भजन संकीर्तन का हजारों की संख्या में श्रोताओं ने आनंद लिया।

उल्लेखनीय है कि यज्ञ स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पेयजल, प्रसाद वितरण एवं वाहन पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाएं समिति द्वारा की गई है। पुलिस प्रशासन का सहयोग निरंतर मिल रहा है। आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों ने क्षेत्रीय जनों से उपस्थिति की अपील की है

जल जीवन मिशन में गुणवत्ता पर उठे सवाल, जल निगम के DTL पर पद के दुरुपयोग के आरोप

साधना एक्सप्रेस रीवा/जवाः

मध्यप्रदेश में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं।

मामला जवा ब्लॉक के ग्राम पंचायत बसरेही से जुड़ा बताया जा रहा है, जहां के निवासी प्रवीण सिंह, जो वर्तमान में जल निगम में DTL पद पर कार्यरत हैं, अपने ही गृह क्षेत्र और संबंधित ब्लॉक में पदस्थ हैं।

गुणवत्ता नियंत्रण की जिम्मेदारी, फिर भी उठ रहे सवाल

जानकारी के अनुसार DTL पद पर रहते हुए प्रवीण सिंह की भूमिका SQC (स्ट्रक्चरल क्वालिटी कंट्रोल) से जुड़ी हुई है। इस पद के तहत कार्यों का मापन, बिलिंग और गुणवत्ता की निगरानी सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी होती है।

लेकिन आरोप है कि अपने ही क्षेत्र में पदस्थ होने के कारण वे अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं।

ठेकेदारों पर दबाव बनाने का आरोप

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि वे ठेकेदारों पर व्यक्तिगत मांगों की पूर्ति के लिए दबाव बनाते हैं। आरोप यह भी है कि ऐसी स्थिति में कई बार काम की गुणवत्ता से समझौता होने की आशंका बन जाती है।

ग्रामीणों को दिए जाते हैं भ्रामक आश्वासन

बताया जा रहा है कि कई मामलों में ग्रामीणों को भ्रामक और अवास्तविक आश्वासन दिए जाते हैं। बाद में जब कार्य समय पर या अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पाता, तो ग्रामीणों में असंतोष और आक्रोश बढ़ जाता है और कई बार काम भी बाधित हो जाता है।

विभाग की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

एक महत्वपूर्ण तकनीकी पद पर रहते हुए यदि इस प्रकार के आरोप सामने आते हैं, तो इससे न केवल जल जीवन मिशन के कार्यों की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि विभागीय कार्यप्रणाली और विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं।

अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेकर जांच करता है और क्या कार्रवाई होती है।

क्षेत्र में एक अप्रैल से शुरू होगा 'स्कूल चलें हम' अभियान

4 अप्रैल तक चलने वाले इस अभियान में आयोजित होंगी विभिन्न गतिविधियां

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

राजेश नीरस. क्षेत्र में स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2026-27 आज एक अप्रैल से शुरू होगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इसे 'स्कूल चलें हम' अभियान के रूप में मनाया जाएगा। यह 4 अप्रैल तक चलेगा। अभियान के तहत क्षेत्र में 1 से 4 अप्रैल तक प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में दिशा-निर्देश भी जारी किये गये हैं । इस दौरान सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।'स्कूल चलें हम' अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा जिसे स्कूलों मे दिखाये जाने के निर्देश दिये गये है।

1अप्रैल को नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया जायेगा एवं उन्हें निःशुल्क पुस्तकें प्रदान की जाएंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जायें। इस संबंध में विभाग द्वारा मैदानी अमले को निर्देश भी जारी कर दिये गये हैं। ग्राम और बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन कराया जायेगा। बच्चों के अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जायेगा। कक्षा 1 से 8 तक सभी शालाओं में एक अप्रैल को बालसभा का आयोजन किया जायेगा। इस दिन शालाओं में विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गई है। 'स्कूल चलें हम' अभियान के दूसरे दिन शालाओं में "भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जायेगा। इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, अधिकारियो को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा। आमंत्रित अतिथि उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियां सुनाएंगे। इस दौरान सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वेच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएं भेंट कर सकेंगे। 'स्कूल चलें हम' अभियान के अंतर्गत तीसरे दिन शाला स्तर पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इसका उद्देश्य पालकों का विद्यालय से जोड़ना है। इसी दिन शाला में उपस्थित पालकों को शैक्षणिक स्टॉफ द्वारा राज्य सरकार की स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। पिछले शैक्षणिक सत्र में जिन विद्यार्थियों की 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति रही है,उनके पालकों को सभा में सम्मानित किया जायेगा।'स्कूल चलें हम' अभियान के अंतर्गत 4 अप्रैल को ऐसे छात्रों को चिन्हित किया जायेगा, जो किन्हीं वजहों से कक्षोन्नति प्राप्त करने में असफल हो गये हैं। पालकों को इन बच्चों की आगे की पढ़ाई के लिये समझाइश दी जायेगी। उन्हें बताया जायेगा कि असफल होने के बाद भी लगातार प्रयास से अच्छा भविष्य तैयार किया जा सकता है। इसी दिन शाला प्रबंधन और विकास समिति की बैठक भी होगी। बैठक में नये शैक्षणिक सत्र में ऐसे बच्चों पर विशेष रूप से चर्चा की जायेगी, जिनका शालाओं में नामांकन नहीं हो पाया है। समिति के सदस्य अपने विद्यालयों में शत-प्रतिशत बच्चों के नामांकन की कोशिश करेंगे और वार्षिक कार्य-योजना बनाकर उसके क्रियान्वयन पर चर्चा करेंगे।

हीरापुर मे विदाई कार्यक्रम आयोजित

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

राजेश नीरस. गत दिवस चीचली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम हीरापुर के शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला में कार्यरत प्राथमिक शिक्षक तरवर सिंह कौरव के अर्धवार्षिकीय सेवा अवधि पूर्ण होने के अवसर पर विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम मे उन्हें शिक्षकों ने शाल, श्रीफल, विदाभिनंदन पत्र एवं उपहार देकर विदाई दी। कार्यक्रम मे प्रधान पाठक राजेश कसेरा द्वारा श्री कौरव के जीवन वृतांत पर प्रकाश डाला गया।कार्यक्रम में बीईओ वीरेंद्र राजपूत ने भी श्री कौरव की कार्यशेली को सराहा। इस अवसर पर ग्राम सरपंच महोदय रणजीत सिंह कौरव, संकुल प्राचार्य श्रीमती सायरा अली एवं हाई स्कूल प्रभारी प्राचार्य जगदीश प्रसाद नेमा तथा समस्त शाला परिवार के शिक्षक साथी गण, संकुल एवं जन शिक्षा केंद्र अंतर्गत आने वाले समस्त विद्यालय प्रमुख तथा शिक्षक साथी ग्रामवासी उपस्थित रहे

सात समंदर पार भी महकी भारतीय संस्कृति

अमेरिका के सिएटल में पदोन्नति की खुशी पर सत्यनारायण कथा

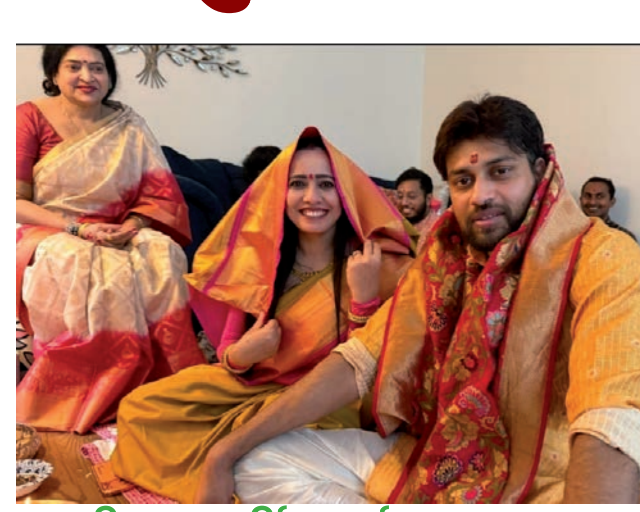

» साहित्यकार पूर्णिमा वर्मा के परिवार ने जीवित रखी भारतीय परंपरा

साधना एक्सप्रेस भोपाल।

आज के दौर में जहां आधुनिकता और पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव में हम अपनी परंपराओं से दूर होते जा रहे हैं, वहीं सात समंदर पार अमेरिका में एक भारतीय परिवार ने अपनी जड़ों से जुड़े रहने का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया है। भोपाल से नाता रखने वाली राजधानी की जानी-मानी साहित्यकार पूर्णिमा वर्मा के परिवार ने अमेरिका में भारतीय संस्कृति की ऐसी मिसाल पेश की है, जिसने यह साबित कर दिया कि सच्चे संस्कार सीमाओं और दूरियों से परे होते हैं।

अमेरिका के सिएटल शहर में रहने वाले उनके पुत्र मुदित वर्मा, उनकी धर्मपत्नी तानिया वर्मा और पुत्र रयान ने हाल ही में मुदित वर्मा की पदोन्नति की खुशी में घर पर भगवान सत्यनारायण की कथा का आयोजन किया। आज जब भारत में किसी उपलब्धि या पदोन्नति के अवसर पर अक्सर केक-कटिंग, डीजे और तड़क-भड़क वाली पार्टियों का चलन बढ़ रहा है, ऐसे समय में विदेश की धरती पर भारतीय धार्मिक परंपरा के साथ खुशी मनाना अपने-आप में एक प्रेरणादायी उदाहरण है।

21 परिवारों के साथ मनाया संस्कारों का उत्सव

इस पावन अवसर पर वर्मा परिवार ने अपने घर पर 21 भारतीय परिवारों को आमंत्रित किया था, जिसमें लगभग 75 लोग शामिल हुए। कथा का आयोजन बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। बनारस से जुड़े एक विद्वान पंडित तथा सिएटल-रेडमंड हिंदू मंदिर के पंडित ने मिलकर कथा का विधिवत आयोजन कराया। सभी श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ कथा में भाग लिया और पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद ग्रहण किया।

वर्मा परिवार का यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि भारतीयता की उस खुशबू का प्रतीक था जो हजारों किलोमीटर दूर रहते हुए भी दिलों में बसी रहती है। सात समंदर पार भी भारतीय मिट्टी की ऐसी सुगंध यह बताती है कि सच्चा भारतीय विश्व के किसी भी कोने में क्यों न रहे, उसके भीतर भारतीय सभ्यता और संस्कृति हमेशा जीवित रहती है।

अन्नपूर्णा के रूप में नजर आईं पूर्णिमा वर्माः

कार्यक्रम की एक और विशेषता यह रही कि साहित्यकार पूर्णिमा वर्मा स्वयं भी इस आयोजन में अन्नपूर्णा के रूप में नजर आईं। सिर्फ कलम ही नहीं यहां उनकी कलाइयों का कमाल भी नजर आया। पूर्णिमा वर्मा ने लगभग 80 लोगों के लिए पूरा भोजन स्वयं अपने हाथों से तैयार किया। यह भोजन पूरी तरह भारतीय व्यंजनों से सुसज्जित था, जिसमें पनीर बटर मसाला, मिक्स वेज, छोले, रायता, पूड़ी, पुलाव सहित कई पारंपरिक व्यंजन शामिल थे। विदेश की धरती पर इतने लोगों के लिए बिना किसी सहायता के स्वयं भोजन बनाना उनके स्नेह और संस्कारों का जीवंत प्रमाण बन गया।

इस आयोजन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि मां के दिए संस्कार ही पीढ़ियों को दिशा देते हैं। पूर्णिमा वर्मा द्वारा दिए गए वही संस्कार उनके बेटे-बहू और पोते में साफ दिखाई दिए। आज जब भारतीय समाज तेजी से बदलते दौर से गुजर रहा है, ऐसे में विदेश में बसे भारतीय परिवारों द्वारा अपनी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखना एक सकारात्मक संदेश देता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698